हिंदी

बालभारती

दूसरी कक्षा

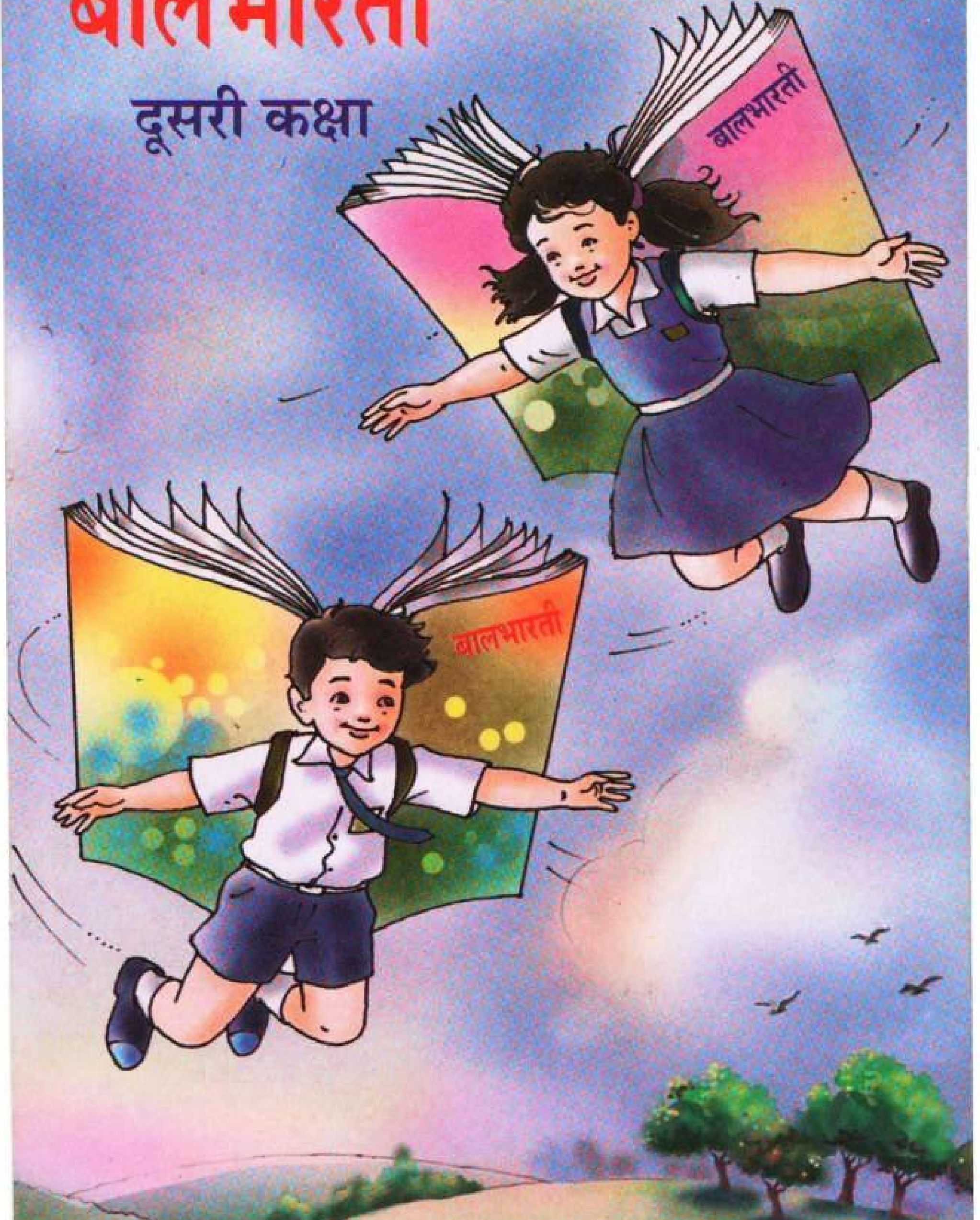

शिक्षा विभाग का स्वीकृति क्रमांक : प्राशिसं-२००७-२००८/मंजूरी ५०५(४)१६२११, दि. १६/१२/२००६

हिंदी

बालभारती

दूसरी कक्षा

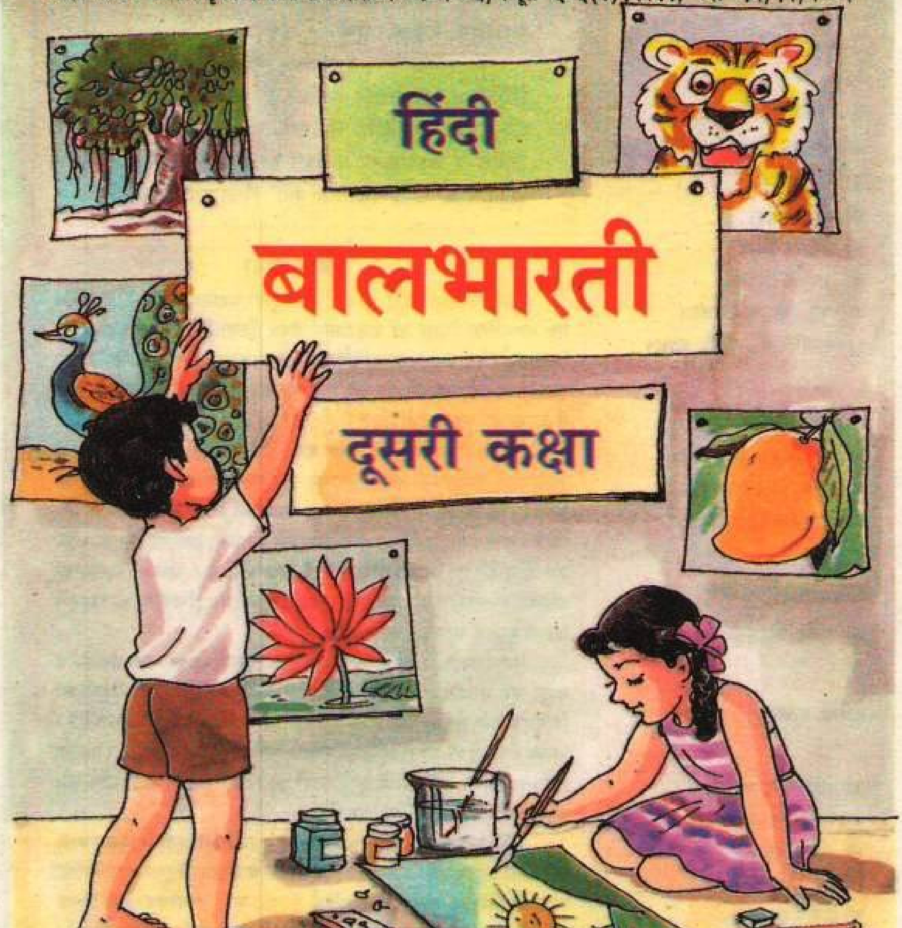

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

प्रथमावृत्ति : २००७
चौथा पुनर्मुद्रण : २०११

लेखन, संपादन सहयोग :
डा. रामजी तिवारी
डा. हेमचंद्र वैद्य
डा. साधना शाह
सौ. सिंधु बापट
श्री तपेश्वर मिश्रा
श्री अशोक शुक्ल
डा. सौ. अलका पोतदार
(विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा)

संयोजन :
डा. सौ. अलका पोतदार,
विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा
सौ. संध्या वि. उपासनी,
विषय सहायक, हिंदी भाषा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ एवं चित्रांकन :
श्री राजेंद्र गिरधारी

अक्षरांकन :
सुवर्णा कळमकर

निर्मिति :
श्री सच्चिदानंद आफळे
मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री संजय कांबळे,
निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी
निर्मिति सहायक

कागज : ७० जी.एस.एम., क्रीमवोव

मुद्रणादेश :
N/PTG/TB/2011-2012/(1.20)

मुद्रक :
Ajanta Art Printers, Hyd.

प्रकाशक :
विवेक गोसावी, नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ, प्रभादेवी,
मुंबई - ४०० ०२५

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ४११ ००४

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

प्रस्तावना

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति २००४' के अनुसार महाराष्ट्र राज्य ने 'प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा का पाठ्यक्रम' तैयार किया है। इसके आधार पर 'महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ' द्वारा दूसरी कक्षा के लिए प्रथम भाषा की 'हिंदी बालभारती' पाठ्यपुस्तक आपके हाथों में देते हुए हमें बड़ा हर्ष हो रहा है।

हिंदी भाषी छात्रों के लिए प्रथम भाषा हिंदी की पाठ्यपुस्तक में भाषा की आधारभूत क्षमताओं-श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन और लेखन को अध्ययन का आधार बनाया गया है। इन क्षमताओं पर आधारित अभ्यास दिए गए हैं। छात्र इनका उपयोजन कुशलतापूर्वक कर सकें, इसलिए इन्हें पारंपरिक रूप में न देते हुए व्यावहारिक रूप में दिया गया है। अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया बालकेंद्रित और आनंददायी हो, इस व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर पुस्तक की रचना की गई है।

पाठ्यपुस्तक में इसपर बल दिया गया है कि छात्र प्रयोग के माध्यम से भाषा की संरचना को समझें। वर्तमान एवं भविष्यकालीन विषयों की विविधता और रोचकता छात्रों के ज्ञानवर्धन और मनोरंजन का माध्यम बनेगी। पुस्तक में छात्रों की आयु, आकलन शक्ति, पूर्वज्ञान, अनुभव आदि पर गहनता से विचार किया गया है। ये मुद्दे छात्रों की जिज्ञासा वृत्ति के निर्माण और उसका समाधान करने में सहायक होंगे।

समीक्षण सत्र में आमंत्रित समीक्षकों के सुझावों और मतों पर विचार करके पुस्तक को अंतिम रूप दिया गया है। इस पुस्तक के लेखन-संपादन कार्य में हिंदी भाषा के निमंत्रित सदस्यों, भाषाविदों – प्रा. शशि निघोजकर, प्रा.श्याम आगळे, श्री अशोक ताकमोगे तथा चित्रकार ने आस्थापूर्वक परिश्रम किए हैं। 'मंडळ' हिंदी बाल पत्रिकाओं – नंदन, बालभारती, चंपक, चंदामामा, अन्य बाल साहित्य के प्रकाशनों और उनके रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

आशा है कि छात्र, अध्यापक एवं अभिभावक इस पुस्तक का स्वागत करेंगे।

(डा. वसंत काळपांडे)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

पुणे
दिनांक : १४ नवंबर २००६
सौर कार्तिक २३, शके १९२८

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं।

मुझे अपने देश से प्यार है। अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी। उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

अनुक्रमणिका

पहली इकाई

क्र.	पाठ	पृष्ठ
१.	पहचानो हमें	१
२.	साहस	३
३.	तितली	५
४.	परी	८
५.	हैया रे हैया	११
६.	कक्षा	१३
७.	बधाई	१५
८.	मैं हूँ कौन	१८
९.	बोली	२०
१०.	बातचीत	२३
११.	बंदनवार	२६

दूसरी इकाई

क्र.	पाठ	पृष्ठ
१.	बनें हम	२७
२.	समझदारी	२९
३.	पुस्तक	३१
४.	घोंसला	३४
५.	अक्कड़-बक्कड़	३७
६.	मित्रता	३९
७.	घास	४१
८.	मेरे अपने	४४
९.	लोरी	४६
१०.	सफलता	४९
११.	शरबत	५२

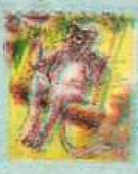

तीसरी इकाई

क्र.	पाठ	पृष्ठ
१.	समझो हमें	५३
२.	सहायता	५५
३.	गुब्बारे	५७
४.	सीख	६०
५.	चल्लम-चल्लम	६३
६.	पाउडर का बच्चा	६५
७.	मैं पाठशाला	६७
८.	परीक्षाफल	७०
९.	ओले	७२
१०.	खेल-खेल में	७५
११.	फल	७८

चौथी इकाई

क्र.	पाठ	पृष्ठ
१.	जुड़ें हम	७९
२.	बचत	८१
३.	अपना घर	८३
४.	तीन मछलियाँ	८६
५.	ना-धिन-धिन्ना	८९
६.	स्वावलंबन	९१
७.	राष्ट्रीय त्योहार	९३
८.	क्या यह जानते हो	९६
९.	बगिया	९८
१०.	भलाई	१०१
११.	रूमाल	१०४
•	बच्चे हिंदुस्तानी	१०५

* पहचानो और बोलो :

१. पहचानो हमें

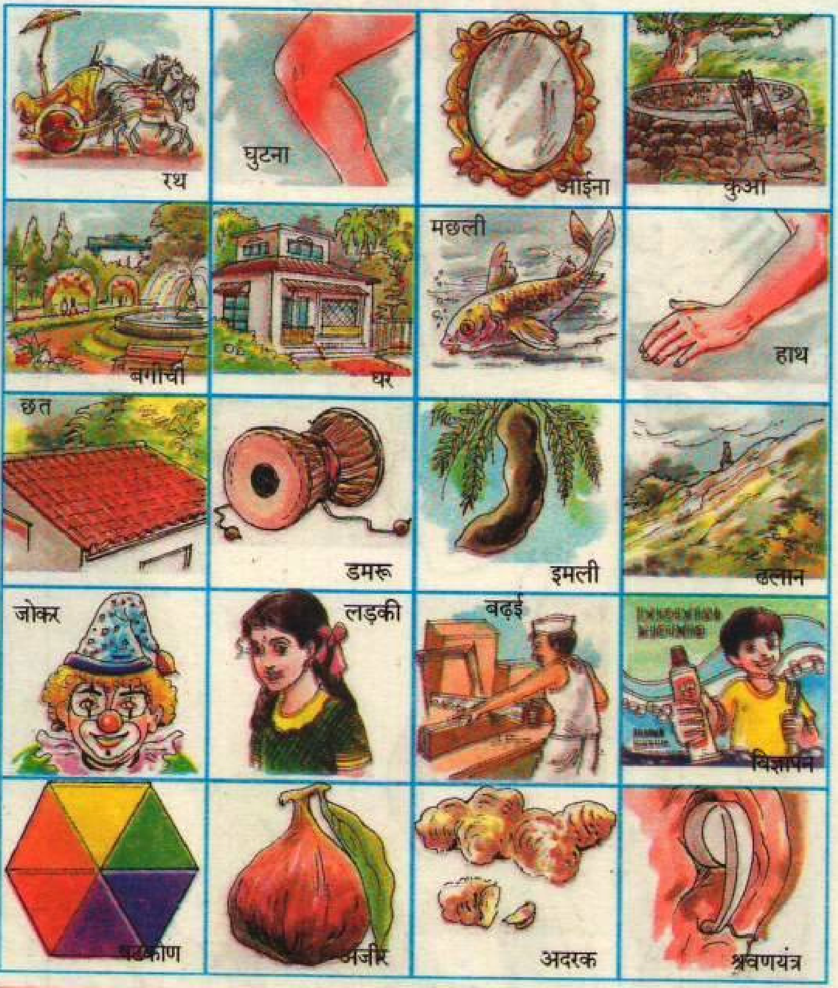

❑ **अध्यापन संकेत :** तालिका के चित्र दिखाकर छात्रों से शब्द बताने के लिए कहें। प्रत्येक वर्ण की ध्वनि की ओर ध्यान आकर्षित करें। उनसे पूरी वर्णमाला दोहरवा लें।

अभ्यास

❖ वर्णों को क्रम के अनुसार जोड़कर चित्र बनाओ और उसमें रंग भरो :

● उपक्रम : छात्र पालतू पशुओं के नाम बताएँ ।

✱ देखो, समझो और बताओ :

२. साहस

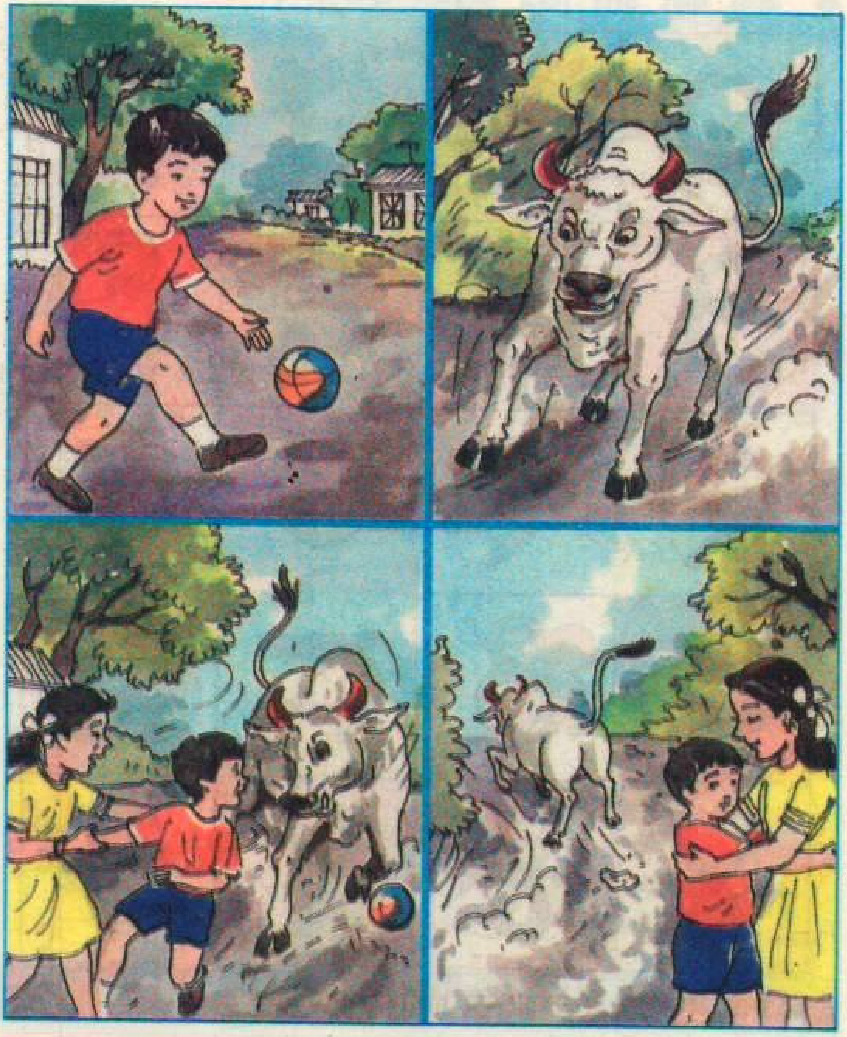

❑ चित्र दिखाकर छात्रों से पहले शब्द, फिर वाक्य कहलवा लें। तत्पश्चात पूरी कथा सुनाएँ और उनसे दोहरवाएँ। छात्रों को क्रमशः अपने-अपने अनुभव सुनाने के लिए कहें।

अभ्यास

❖ अंक पढ़ो और चित्र देखकर बनाओ :

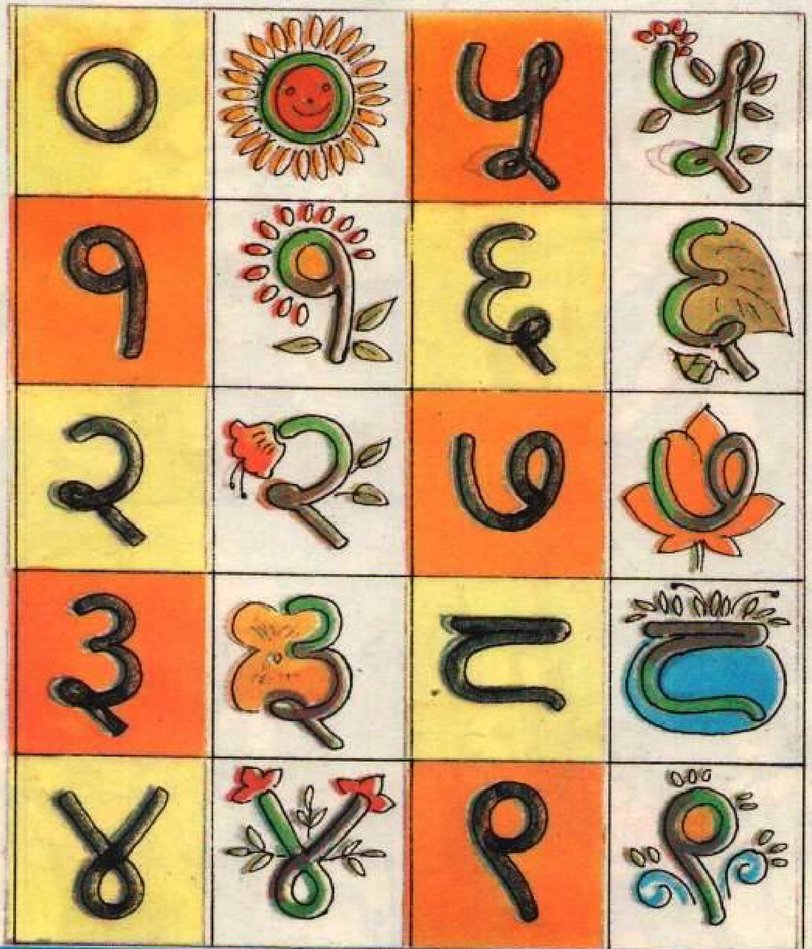

● छात्र अपने घर में लगाए हुए पौधों के नाम बताएँ ।

❑ अंक लेखन के लिए रोचक खेल दिया है; जिसमें अंक और उससे एक चित्र बनाया गया है । छात्रों से अंकों को देखकर उनके आधार पर इच्छानुसार चित्र बनाने के लिए कहें ।

* सुनो और गाओ :

३. तितली

क्यारी - क्यारी झूम-झूमकर,
उड़ती धूम मचाती तितली ।
कभी फूल पर, कभी कली पर,
दिखती आती-जाती तितली ।

❑ कविता को उचित लय, गति और स्पष्ट उच्चारण के साथ दो-बार सुनाएँ । दो-दो पंक्तियाँ बोलकर छात्रों से दोहरवा लें । कविता कंठस्थ करके एक-दूसरे को सुनाने के लिए कहें ।

फूलों से कुछ बातें करती,
उनका मन हरषाती तितली ।
रस के प्याले पी-पीकर,
दिन भर मौज मनाती तितली ।
भाग-भागकर थक जाते हैं,
फिर भी हाथ न आती तितली ।

– रमाकांत दीक्षित

अभ्यास

(१) वर्णमाला के 'अ' से 'अः' वर्णों को सुनो और दोहराओ।

(२) उत्तर दो :

(क) तितली क्यारियों पर क्या कर रही है ?

(ख) तितली कहाँ आती-जाती रहती है ?

(ग) कौन हमारे हाथ नहीं आती ?

(घ) तितली किस तरह मौज मनाती है ?

(३) अंत्याक्षरी खेलो :

झूमकर, रस, सपना, नाम, मन, नम्रता, ताल, लड़की.....

(४) जोड़ियाँ मिलाकर पढ़ो और लिखो :

(च) उड़ती	मनाती
(छ) दिखती	हरषाती
(ज) मन	धूम मचाती
(झ) मौज	आती-जाती

(५) सोचो और लिखो :

- छात्र अंकों का कोई गीत सुनाएँ ।

❑ पाठ्यपुस्तक के अभ्यास में दिए गए श्रवण के प्रश्नों से संबंधित विषय सामग्री सुनाएँ और छात्रों को वाचन के लिए सामग्री उपलब्ध कराएँ ।

✱ सुनो और समझो :

४. परी

'मंदार !' मधुर आवाज सुनाई दी । उसने दरवाजे के बाहर झाँककर देखा और पूछा, "क्या तुम परी हो ?"

परी ने उत्तर दिया, "हूँ तो । विश्वास नहीं हो रहा है ?"

मंदार ने कहा, "मैंने सुना है कि परियाँ छड़ी घुमाकर रोते बच्चों को हँसा देती हैं; भटके हुओं को रास्ता दिखाती हैं। मेरी दादी जी की कहानियों में कुछ बुरी परियाँ भी आती हैं लेकिन तुम तो अच्छी परी मालूम होती हो ।"

"कैसे पहचाना ?" परी ने आश्चर्य से पूछा ।

"तुम्हारे चेहरे पर अच्छे भाव झलक रहे हैं ।" मंदार बोला।

❑ कहानी को आवश्यकतानुसार छोटे अंशों में बाँटकर तीन-चार बार सुनाएँ। प्रश्न पूछकर यह सुनिश्चित करें कि छात्रों ने समझते हुए सुना है। अन्य कहानियाँ सुनाकर दोहरवा लें।

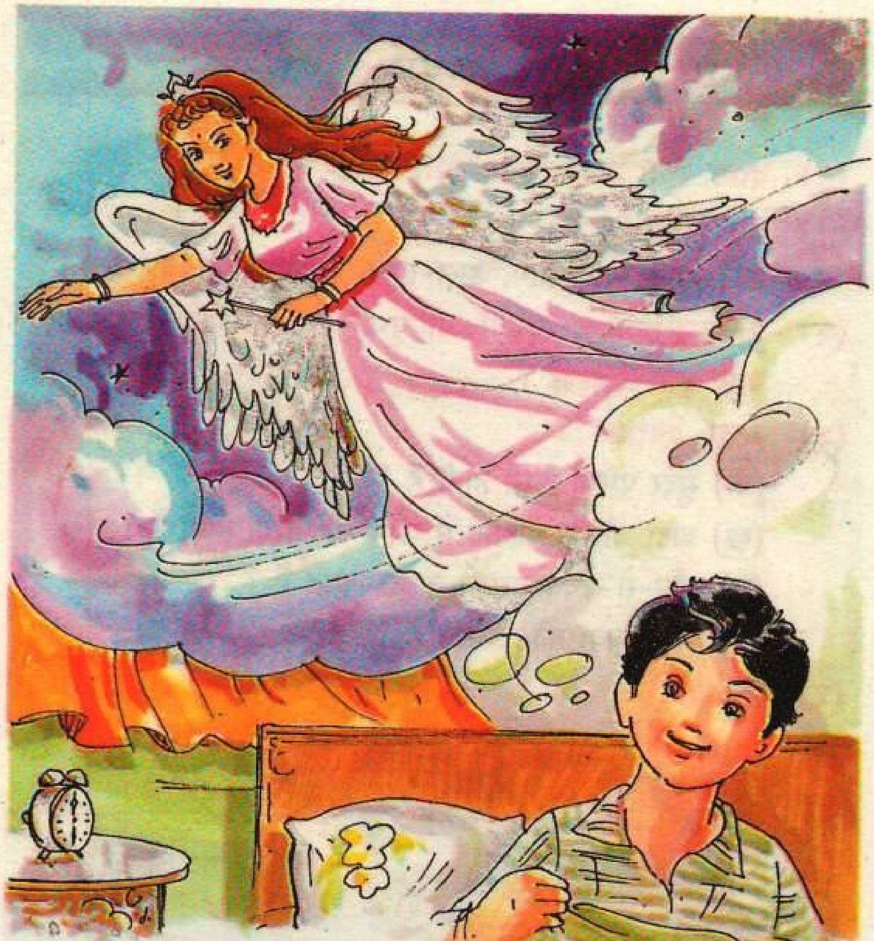

परी बोली, "जो बच्चे सच बोलते हैं और बड़ों का कहना मानते हैं; वे भी सब को अच्छे लगते हैं।"

मंदार ने पूछा, "एक बात बताओ, क्या परियाँ सचमुच में होती हैं ?"

वह मुस्कराकर बोली, "तुम्हारे जैसों के लिए होती हैं।"

इसी बीच ६ बजे की घंटी बजी और मंदार जाग उठा। वह सुंदर परी जाने कहाँ गायब हो गई!

– अनंत कुशवाहा

अभ्यास

(१) देखा-सुना समाचार सुनाओ ।

(२) पढ़ो और समझो :

कान-खान, जाग-झाग, डाल-ढाल, लड़ना-पढ़ना, शेर-सेब ।

(३) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों से मात्रा रहित शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) सुंदर परियाँ कैसी होती हैं ?

(ख) दादी जी की कहानी में कौन-सी परियाँ होती हैं ?

(ग) कौन-से बच्चे सबको अच्छे लगते हैं ?

(घ) परियाँ क्या काम करती हैं ?

(५) डाकपेटी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछो :

• छात्र प्राणियों की क [illegible] नी सुनाएँ ।

* सुनो और करो :

५. हैया रे हैया ऽ ऽ...

हैया रे हैया...ऽ ऽ हैया रे ऽ ऽ...
कागज की मेरी नाव चली,
इस पार चली, उस पार चली,
छप्पक छैया, छप्पक छैया ।
हैया रे हैया... ऽऽ हैया रे हैया ऽऽ ...
सर-सर-सर-सर बहती जाती,
छप-छप-छप-छप करती जाती,
थर-थर-थर-थर चलती जाती,
थप्पक थैया, थप्पक थैया ।
हैया रे हैया ... हैया रे हैया ऽऽ ...

- आशारानी व्होरा

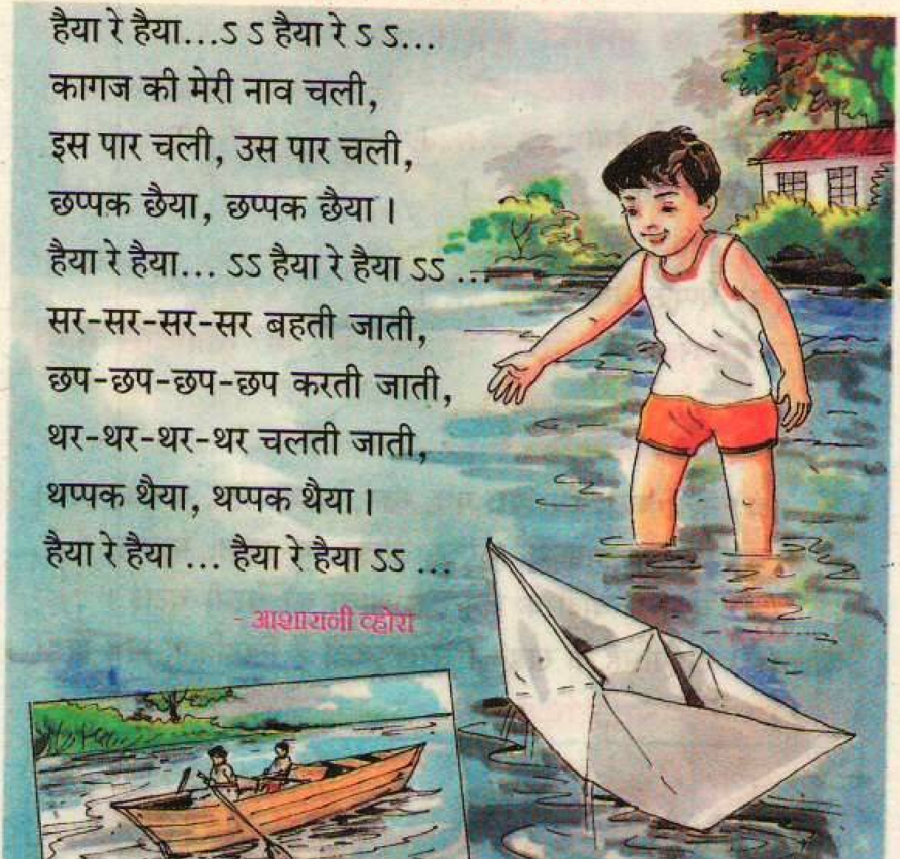

❑ छात्रों को कविता सुनाकर उनसे कविता के अनुसार कृति करवाएँ । उनका ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करें । कविता का अनुलेखन करके उन्हें स्वयं कापी जाँचने के लिए कहें ।

अभ्यास

(१) रेडियो पर सुविचार सुनो ।

(२) पंक्तियाँ पूर्ण करके पढ़ो :

(क) हैया रे हैया .... ।

(ख) सर-सर .... ।

(ग) कागज की .... ।

(घ) थप्पक थैया .... ।

(३) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों से 'आ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(४) परस्पर श्रुतलेखन करो :

(च) नल, फल, रथ, पर, पथ, रतन, शहद, नहर, कमल, रमण।

(छ) छमछम, धमधम, फरफर, झरझर, कलकल, मलमल ।

(ज) चंदन ने चाँदी के चमचे से चाचा को चटनी चटाई ।

(झ) खड्गसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियाँ खड़-खड़।

(५) निम्नलिखित सब्जियों के नाम और उनके रंग लिखो :

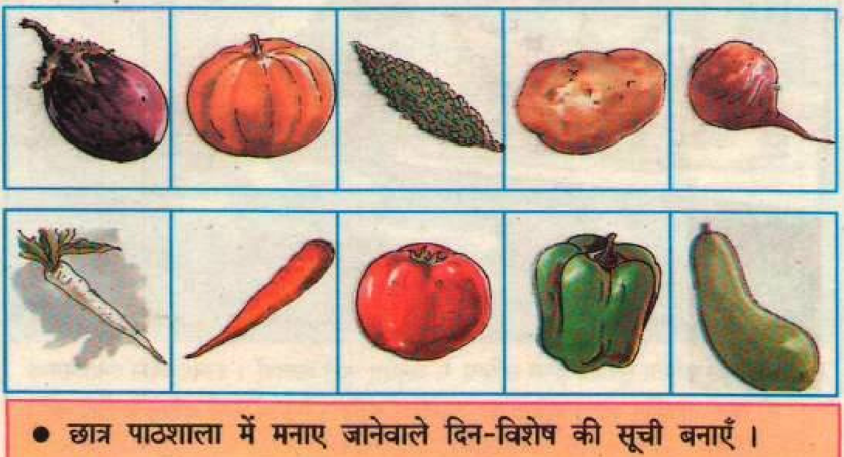

- छात्र पाठशाला में मनाए जानेवाले दिन-विशेष की सूची बनाएँ ।

* पढ़ो, समझो और बोलो :

६. कक्षा

अध्यापक : कल प्रधानाध्यापक कक्षा का निरीक्षण करेंगे ।

कक्षा नायक : हमारी कक्षा साफ-सुथरी रहनी चाहिए ।

अध्यापक : हाँ ! सभी को सूचित करें कि उनके गणवेश धुले हुए हों। नाखून कटे हुए होने चाहिए।

सुनील : गुरु जी, मैं फुलवारी से फूल लेकर आऊँ ?

सुशीला : गुरु जी ! उन फूलों से मैं मालाएँ बनाऊँगी।

रजनी : क्या मैं और सुजाता दरवाजे पर रंगोली बनाएँ ?

अध्यापक : अवश्य ! सभी अपना-अपना काम पूरा करेंगे ।

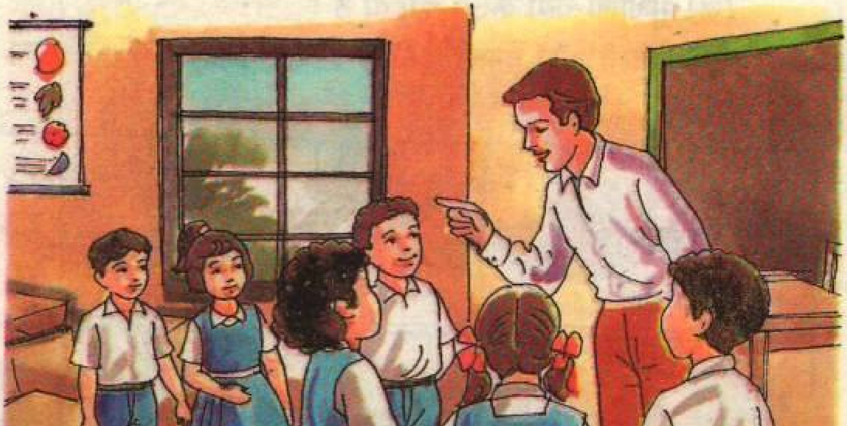

❑ पाठ्यांश पढ़वा लें । आदेश, अनुरोध और निर्देश के वाक्य बोलकर इनकी अभिव्यक्ति का अंतर छात्रों को समझाएँ । इनके प्रयोग पर बल दें । अन्य विषय पर संवाद करवाएँ।

अभ्यास

(१) प्राकृतिक विपदाओं (भूकंप, बाढ़, सुनामी आदि) के संबंध में जानकारी सुनो ।

(२) किसने-किससे कहा :

(क) "कक्षा साफ-सुथरी रहनी चाहिए ।"

(ख) "मैं फुलवारी से फूल लेकर आऊँ ?"

(ग) "सभी को सूचित करें कि उनके गणवेश धुले हुए हों ।"

(३) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों से 'इ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(४) उत्तर लिखो :

(च) कक्षा निरीक्षण करने कौन आनेवाले हैं ?

(छ) अध्यापक ने सब बच्चों से क्या कहा ?

(ज) सुशीला क्या करना चाहती है ?

(झ) रंगोली कौन बनाएँगी ?

(५) फूलों का संग्रह करके उनके नाम लिखो :

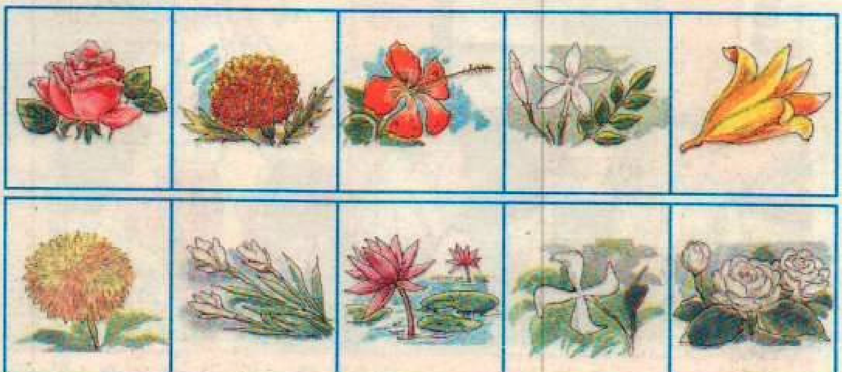

• छात्र पाठशाला में दी गई छुट्टी की सूचना घर जाकर बताएँ ।

* पढ़ो और लिखो :

७. बधाई

साकेत, गली नं. २,
चिचोला, तहसील : चिमूर,
जिला : चंद्रपुर - ४४२४०२
दि. ७ जनवरी २००७

मेरी प्यारी बहना,

जुग-जुग जियो।

तुम्हारी याद तो बहुत आती है पर पढ़ाई में व्यस्त होने के कारण मैं तुम्हारे जन्मदिन पर उपस्थित नहीं रह पाऊँगी।

इस दिन तुम खूब खेलना, नए कपड़े पहनना, मिठाई खाना और मुझे याद करना।

हम सब की ओर से बहुत-बहुत बधाइयाँ।

तुम्हारी चचेरी बहन
सई

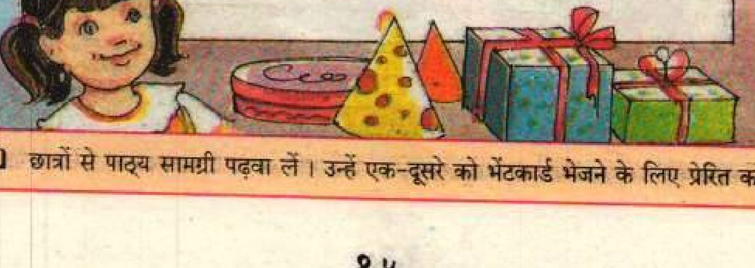

❑ छात्रों से पाठ्य सामग्री पढ़वा लें। उन्हें एक-दूसरे को भेंटकार्ड भेजने के लिए प्रेरित करें।

शुभकामनाएँ
सेवा में,
सायली,
बी-६, सदिच्छा कालोनी,
दादर (पश्चिम),
मुंबई - ४०००२८

अभ्यास

(१) बीरबल की कोई एक कहानी सुनो ।

(२) एक शब्द में उत्तर दो :

(क) जन्मदिन किसका है ?

(ख) शुभकामनाएँ कौन दे रहा है ?

(ग) पत्र किसे लिखा गया है ?

(घ) सई और सायली के बीच कौन-सा रिश्ता ?

(३) सही विकल्प चुनकर पढ़ो तथा अन्य विकल्पों से संबंधित एक-एक वाक्य बनाओ :

(च) मैं तुम्हारे .... पर उपस्थित न रह पाऊँगी । (जन्मदिन / बधाई)

(छ) खूब खेलना, नए कपड़े पहनना, मिठाइ ाना और मुझे .... करना । (याद / माफ)

(४) वर्णमाला के 'क' से 'ङ' वर्णों को क्रम से लिखो ।

(५) खेलों के नाम बताओ :

● छात्र किसी एक देशभक्त का चित्र दिखाकर उनका लिखें ।

★ सोचो और लिखो :

८. मैं हूँ कौन

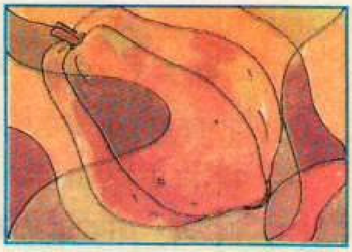

मध्य कटे तो पता बनूँ मैं
प्रथम कटे तो पीता हूँ
धूप-ताप सहकर भी मैं
हँस-हँसकर जीता हूँ ।

x x x

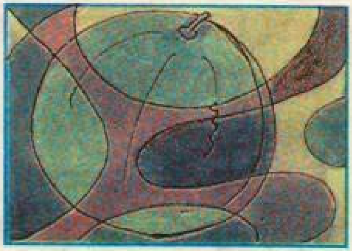

रंग हरा पर रस से भरा,
अंदर से होता है लाल ।
ना जमीन में, ना पेड़ पर,
गर्मी में आता हर साल ।

x x x

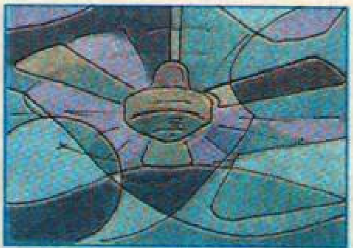

कई हाथ और पेट है गोल,
सर-सर करते मेरे बोल,
सब दिन मैं आता हूँ काम,
मेरे बिना है चैन हराम ।

❑ छात्रों से पहेलियाँ बूझने के लिए कहें । बालपत्रिकाओं से अन्य पहेलियाँ सुनाएँ । उन्हें भी रोचक पहेलियों का संग्रह करके सुनाने के लिए कहें । इनके उत्तरों के चित्र बनवाएँ ।

अभ्यास

❖ घर से विद्यालय तक पहुँचने का मार्ग बनाओ :

जैसे -

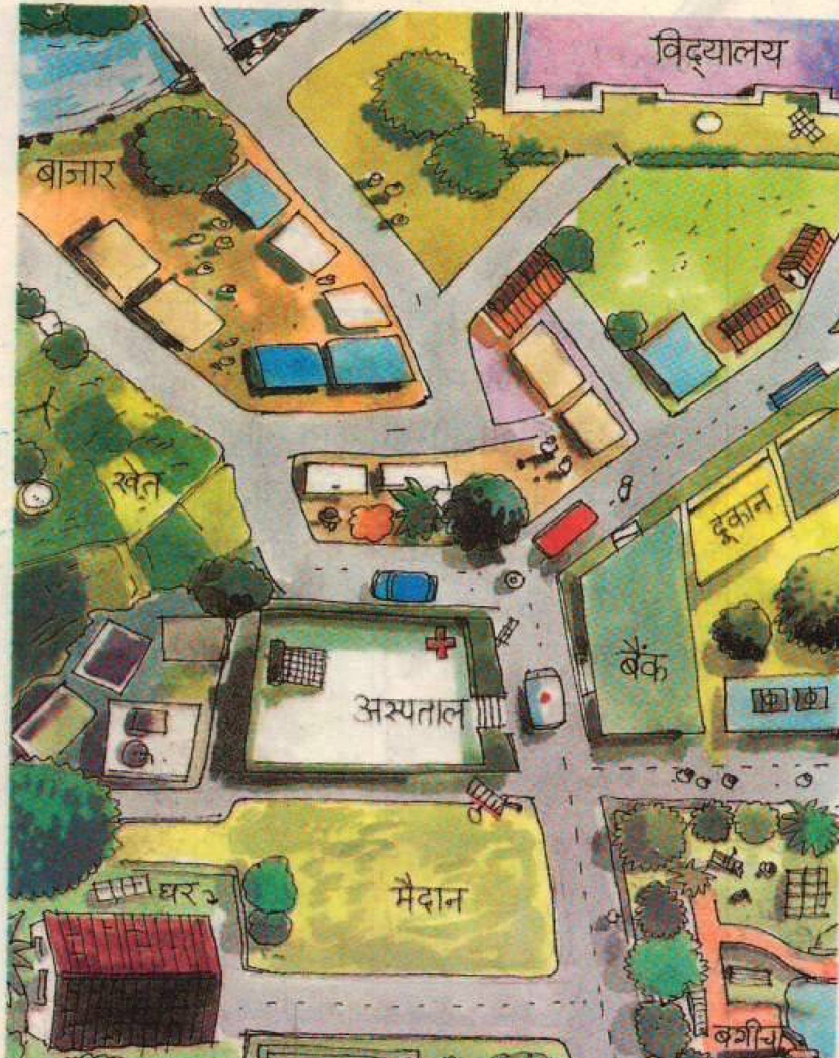

* सुनो और गाओ :

१. बोली

चूँ-चूँ-चूँ-चूँ चूहा बोले,
म्याऊँ-म्याऊँ बिल्ली,
ती-ती-ती-ती कीरा बोले,
झीं-झीं-झीं-झीं झिल्ली,
किर-किर-किर करे गिलहरी,
तुन-तुन-तुन इकतारा बोले ।

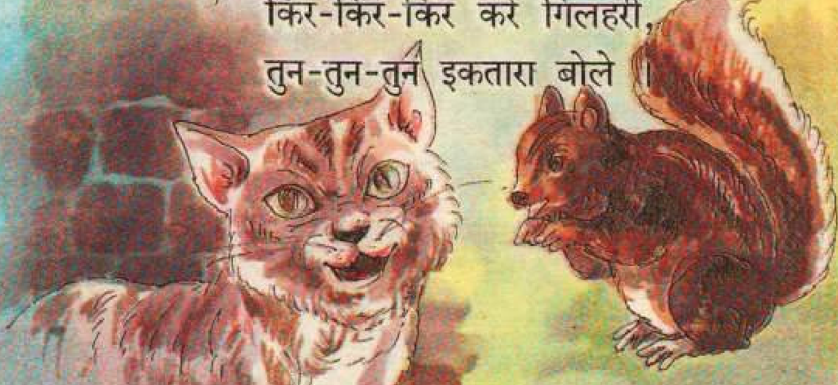

❑ कविता उचित लय और स्पष्ट उच्चारण के साथ सुनाएँ । छात्रों से कविता का सामूहिक वाचन करवाएँ । अन्य पशु-पक्षियों के चित्र बनवाकर उनकी बोलियाँ कहलवा लें ।

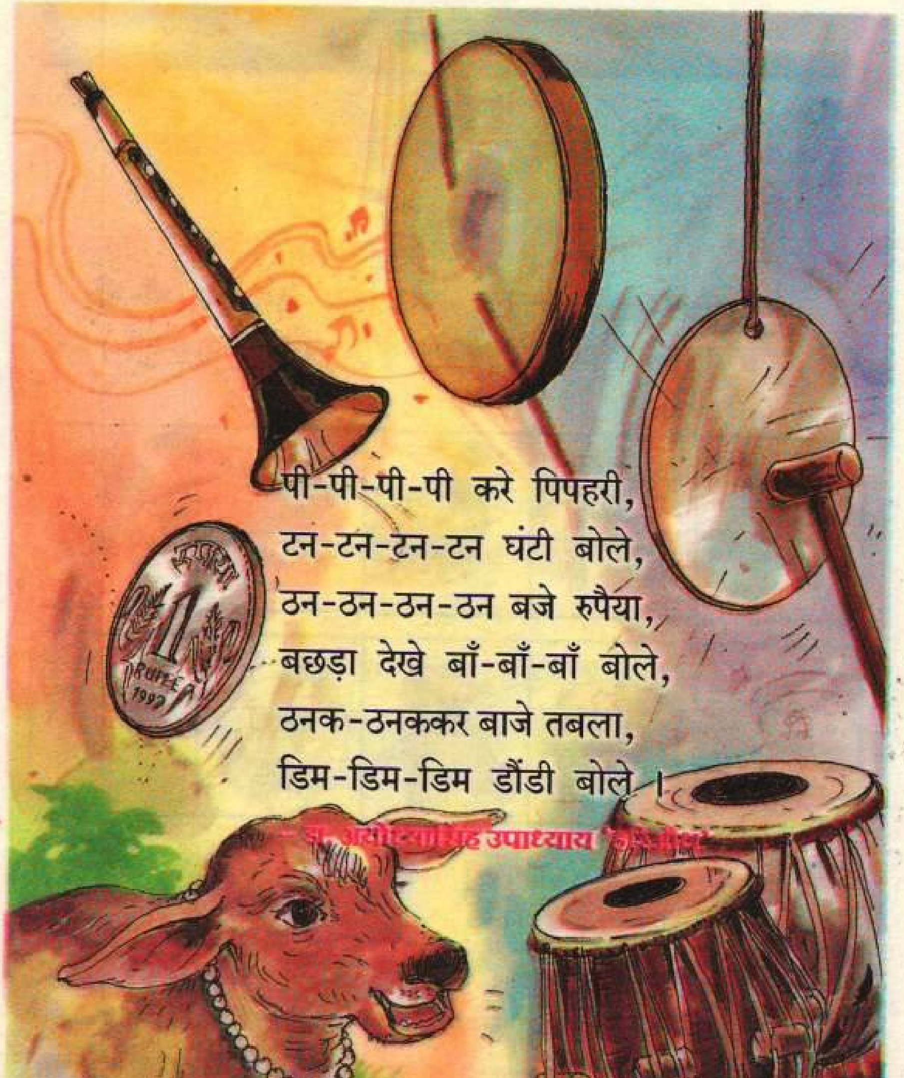

पी-पी-पी-पी करे पिपहरी,
टन-टन-टन-टन घंटी बोले,
ठन-ठन-ठन-ठन बजे रुपैया,
बछड़ा देखे बाँ-बाँ-बाँ बोले,
ठनक-ठनककर बाजे तबला,
डिम-डिम-डिम डौंडी बोले ।

– डा. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

अभ्यास

(१) पंचतंत्र की कहानी सुनो और उससे मिलनेवाली सीख बताओ।

(२) कोष्ठक में दी गई बोलियों को प्रत्येक के सामने लिखो :
(पिऊ-पिऊ, गुटर-गुटरगूँ, हिन-हिन, कुहू-कुहू, भौं-भौं, काँव-काँव, टर्र-टर्र, कुकडू-कूँ, हुप-हुप, गुन-गुन)

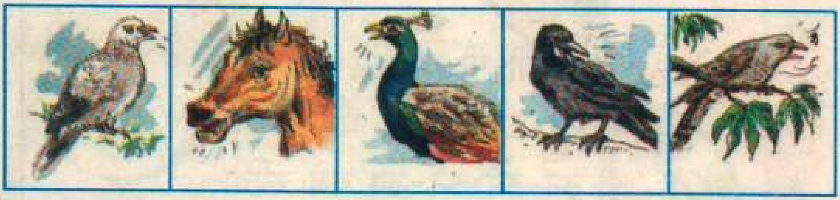

(३) पाठ्यपुस्तक के दो पृष्ठों में 'ई' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो।

(४) उचित शब्द बनाओ :

ख आँ	ड़ ब र	त भा र
का न म	र दू न र्श द	ठ पा ला शा

(५) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो :
पुष्पगुच्छ, फुफकारना, दुनिया, महक, पदचाप, नभ, पलाश।

- छात्र प्रतिदिन पाठ्यपुस्तक के किसी एक पृष्ठ का अनुलेखन करें।

* पढ़ो और लिखो :

१०. बातचीत

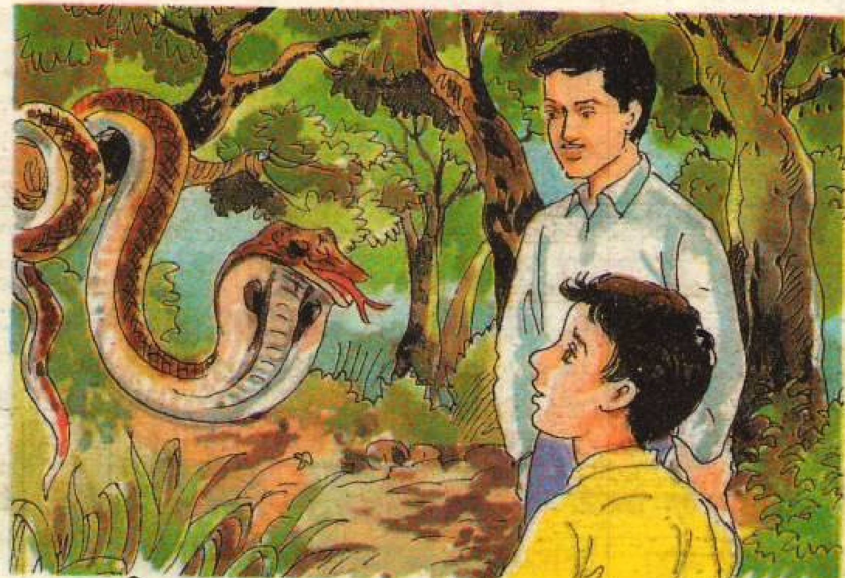

एक दिन मयूर अपने चाचा जी के साथ जंगल में सैर करने गया। उन्हें अचानक एक बड़ा और लंबा साँप दिखाई पड़ा। मयूर ने चाचा जी का हाथ पकड़कर डरते हुए कहा, "हमें यहाँ से भाग जाना चाहिए।" मयूर की बात सुनकर साँप फुफकारते

❑ कहानी को प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाएँ। छात्रों से कहानी पढ़वाकर दोहरवा लें। प्रत्येक छात्र को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें कहानी को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें।

हुए हँस पड़ा। साँप ने कहा, "इतनी जल्दी डर गए ? जब मुझे गुस्सा आता है तभी मैं डरावना हो जाता हूँ।"

मयूर को कुछ राहत महसूस हुई। उसने पूछा, "यह बताओ इस समय तुम गुस्से में तो नहीं हो न ?" साँप ने प्रसन्नता से कहा, "नहीं, मैं बिलकुल गुस्से में नहीं हूँ।"

चाचा जी ने आश्चर्य से पूछा, "अच्छा, यह बताओ कि तुम्हारे कान तो दिखाई नहीं पड़ते, फिर सुनते कैसे हो ?"

साँप ने कहा, "मैं अपने शरीर की धारियों से सुनता हूँ और जमीन से आनेवाली धमक को तो बहुत जल्दी सुन लेता हूँ।"

मयूर ने कहा, " नागराज, तुम इतनी अच्छी बातें करते हो फिर लोगों को काटते क्यों हो ?"

साँप ने कहा, "कोई मुझे कुचलता है या मारने की कोशिश करता है, तभी मैं अपनी रक्षा करने के लिए काटता हूँ।"

चाचा जी ने पूछा, "क्या तुम सब जहरीले होते हो ?"

साँप ने उत्तर दिया, "सच बात तो यह है कि हममें से बहुत कम साँप जहरीले होते हैं।"

यह बात चल ही रही थी कि थोड़ी दूर पर एक मेंढक दिखाई पड़ा और साँप सरसराता, लहराता हुआ वहाँ से चला गया।

अभ्यास

(१) वर्णमाला के 'च' से 'ञ' वर्णों को सुनो और दोहराओ।

(२) कल्पना करो और बताओ कि घड़ी तुमसे क्या कह रही है?

(३) विरामचिह्न लगाकर पढ़ो :

यह बताओ इस समय तुम गुस्से में तो नहीं हो न   साँप ने प्रसन्नता से कहा नहीं मैं बिलकुल गुस्से में नहीं हूँ

(४) उत्तर लिखो :

(क) मयूर अपने चाचा के साथ कहाँ गया था ?

(ख) साँप कैसे सुनता है ?

(ग) साँप क्यों काटता है ?

(घ) क्या सब साँप जहरीले होते हैं ?

(५) चित्र का वाचन करो :

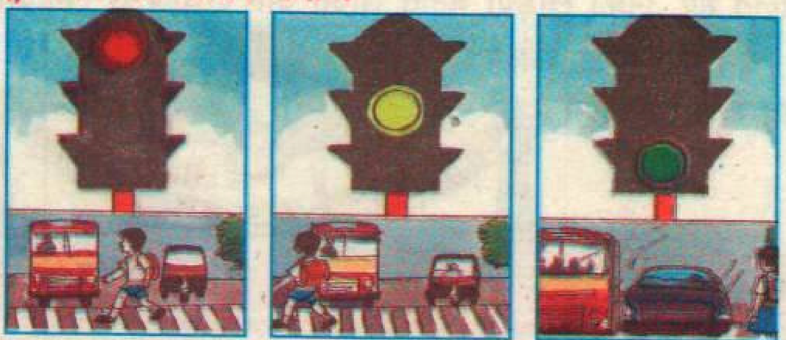

• छात्र श्यामपट्ट से सुवचन पढ़कर लिखें ।

★ पढ़ो, समझो और करो :

११. बंदनवार

सामग्री – कागज, छोटी कैंची, गोंद / लेई, पट्टी, पेंसिल।

कृति – सबसे पहले कागज पर पट्टी रखकर पेंसिल से १-१ सेमी की दूरी पर निशान लगाओ। फिर कैंची से पट्टियाँ काटो। १५ सेमी लंबाई की पट्टियाँ काटो।

अब एक पट्टी के दोनों सिरे गोंद से चिपकाओ। इसके बाद उस पट्टी के गोल के अंदर दूसरी पट्टी डालकर उसके दोनों सिरों को गोंद से चिपकाओ। इस तरह एक के बाद दूसरी पट्टी डालते हुए उनकी लड़ियाँ बनाते जाओ और दरवाजे पर लगाओ।

बन गया तुम्हारा बंदनवार।
सब खुश हो जाएँगे।

- छात्र प्रतिदिन घर के काम में हाथ बँटाएँ।

❑ छात्रों से पाठ्यांश पढ़वाकर उसके अनुसार कृति करवा लें। इसी प्रकार अन्य वस्तुएँ बनाने और उनकी विधियाँ बताने के लिए प्रोत्साहित करें। आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दूसरी इकाई

* पहचानो और बोलो :

१. बनें हम

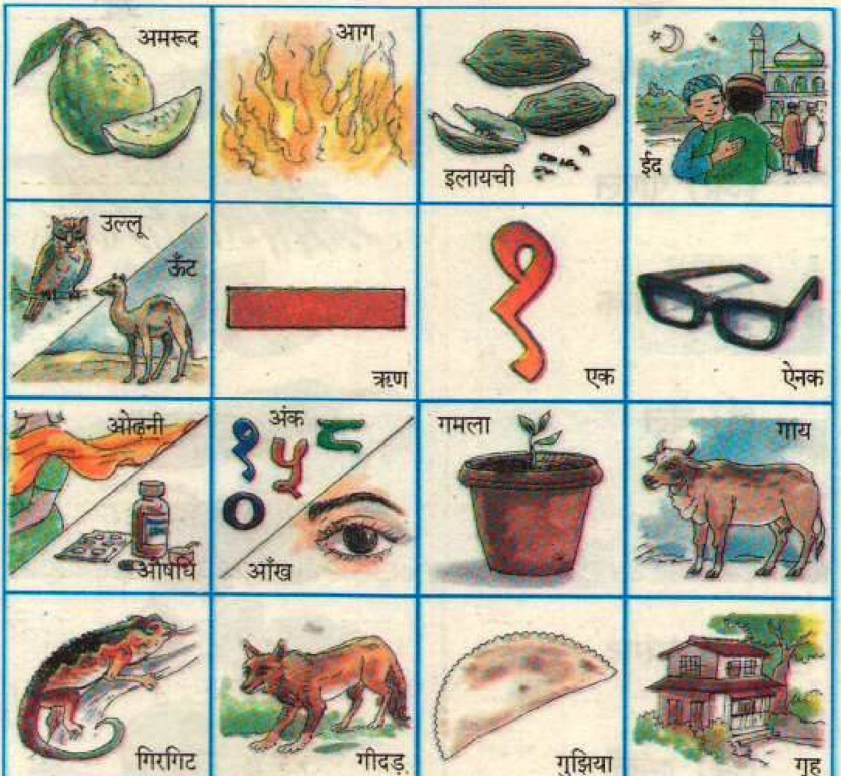

❑ चित्र दिखाकर छात्रों से उनके नाम कहलवा लें। स्वर और मात्रा चिह्नों का अभ्यास करवाएँ। छात्रों से बारहखड़ी पढ़वा लें। उनसे सभी वर्णों के बारहखड़ीयुक्त शब्द लिखवाएँ।

अभ्यास

❖ **पत्तियों और उनके नामों की जोड़ियाँ मिलाओ :**

'क' 'ख'

(अ) आम

(आ) पीपल

(इ) अशोक

(ई) बेल

(उ) नीम

(ऊ) बरगद

(ऋ) इमली

(ए) नारियल

(ऐ) गुलाब

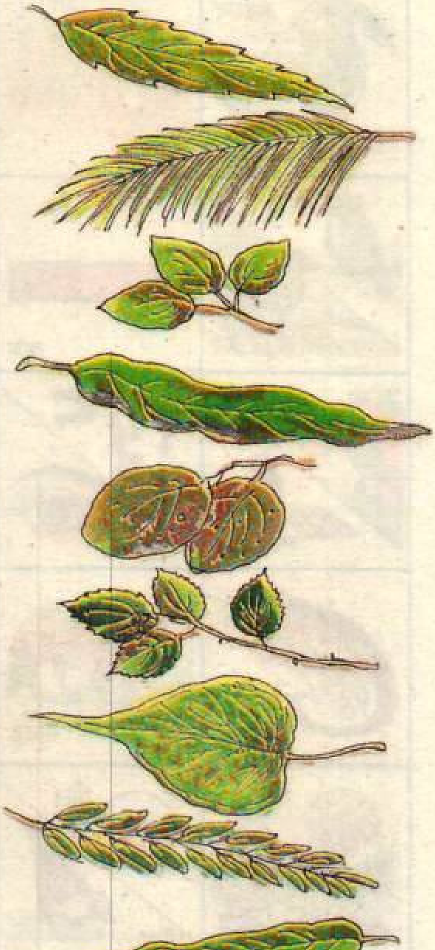

• छात्र जंगली पशुओं के नाम बताएँ ।

* देखो, समझो और बताओ :

२. समझदारी

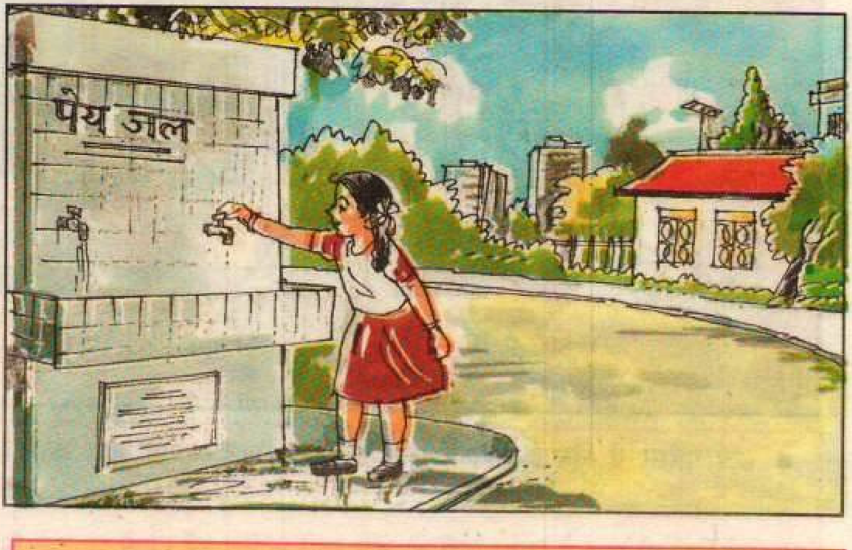

❑ ऊपर दिए गए चित्र दिखाकर छोटे-छोटे वाक्य कहलवा लें । इस तरह छात्रों को समझदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित करें तथा उनसे होनेवाले लाभों का महत्व समझाएँ ।

अभ्यास

❖ अंतर बताओ :

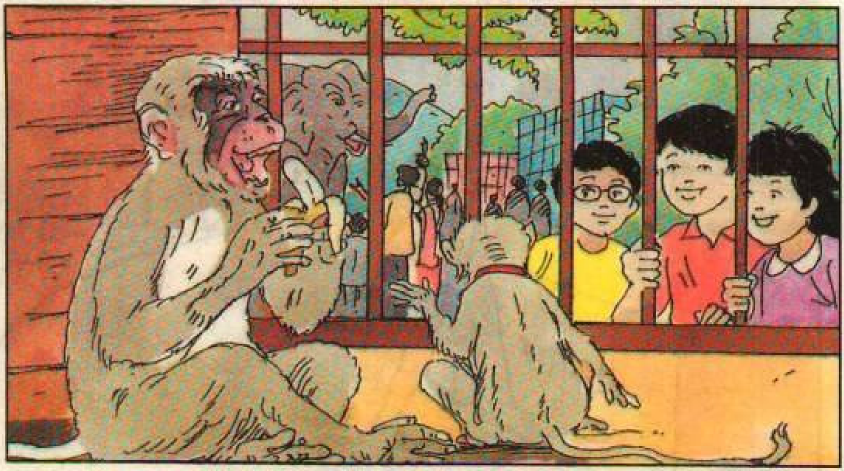

● छात्र परिसर में दिखाई देनेवाले फलों के चित्र बनाकर उनके नाम बताएँ।

❑ दोनों चित्रों को ध्यान से देखकर छात्रों को अंतर बताने के लिए कहें। इनमें दस अंतर हैं, जिन्हें छात्रों को खोजकर बताना है। सबसे कम समय में बतानेवाले छात्रों को पहला, फिर दूसरा, इस प्रकार क्रमांक दें। इसी प्रकार के अन्य चित्र देकर अंतर खोजने के लिए कहें।

★ सुनो और गाओ :

३. पुस्तक

दौड़ के आओ मुन्ने राजा,
छोड़ दो चकरी, रख दो बाजा,
अभी-अभी है आई दीदी,
कैसी पुस्तक लाई दीदी ?

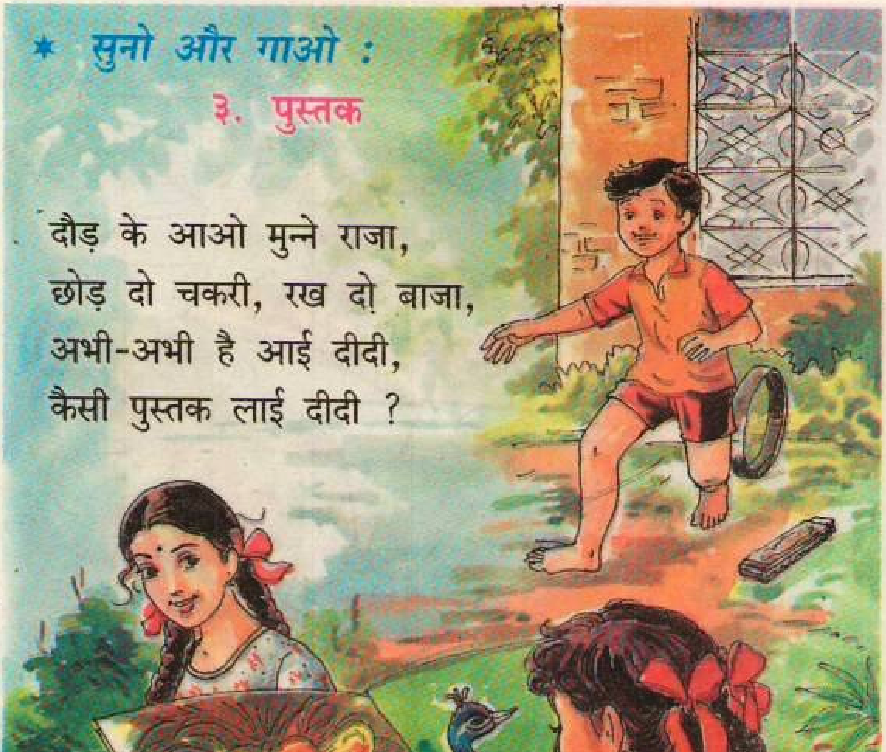

❑ यथोचित लय के साथ कविता दो बार सुनाएँ। फिर छात्रों से सामूहिक रूप में कहलवा लें। उन्हें पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित करें। अन्य कविता सुनाएँ और दोहरवाएँ।

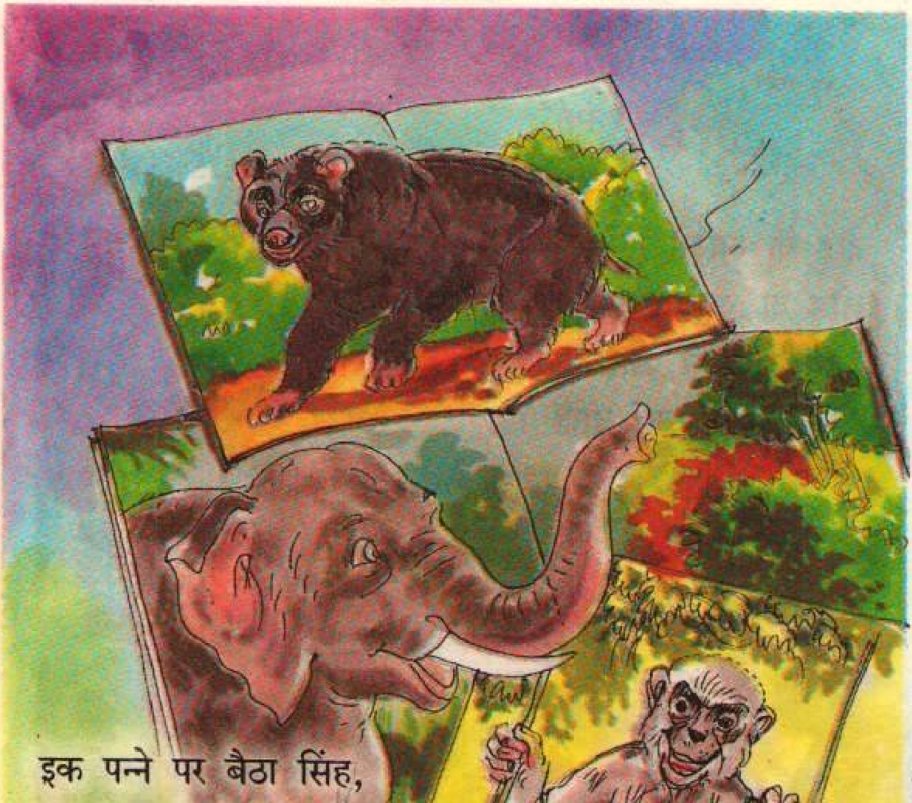

इक पन्ने पर बैठा सिंह,
मोर खड़ा देखो फेरे मुँह,
इक पन्ने पर बालोंवाला,
भालू देखो काला-काला ।

इस पन्ने पर बड़ा-सा हाथी,
जिसकी सूँड़, चली बल खाती,
झूला बंदर झुला रहा है,
देखो तुमको बुला रहा है।

– प्रतिभा नाथ

अभ्यास

(१) वर्णमाला के 'ट' से 'ण' वर्णों को सुनो और दोहराओ।

(२) उत्तर दो :

(क) मुन्ने राजा को कौन-सा आदेश दिया गया ?

(ख) भालू कैसा दिखाई देता है ?

(ग) पुस्तक में कौन-कौन-से प्राणी हैं ?

(घ) बंदर क्या कर रहा है ?

(३) पढ़ो और समझो :

छत-छत्र, मर-भर, बन-वन, फर-कर, उन-ऊन

(४) पंक्ति पूरी करो :

(च) इक पन्ने पर ....

(छ) .... देखो फेरे मुँह,

(ज) इस पन्ने पर ....

(झ) झूला .... रहा हैं ।

(५) सुवचनों को पढ़ो और समझो :

बेटा-बेटी एक समान ।

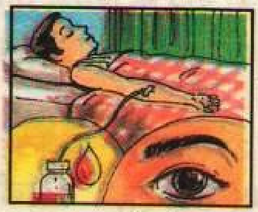

रक्तदान और नेत्रदान,
कर्तव्य हमारा महान ।

हर व्यक्ति हो साक्षर ।

- छात्र वर्षा गीत सुनाएँ ।

* सुनो और समझो :

४. घोंसला

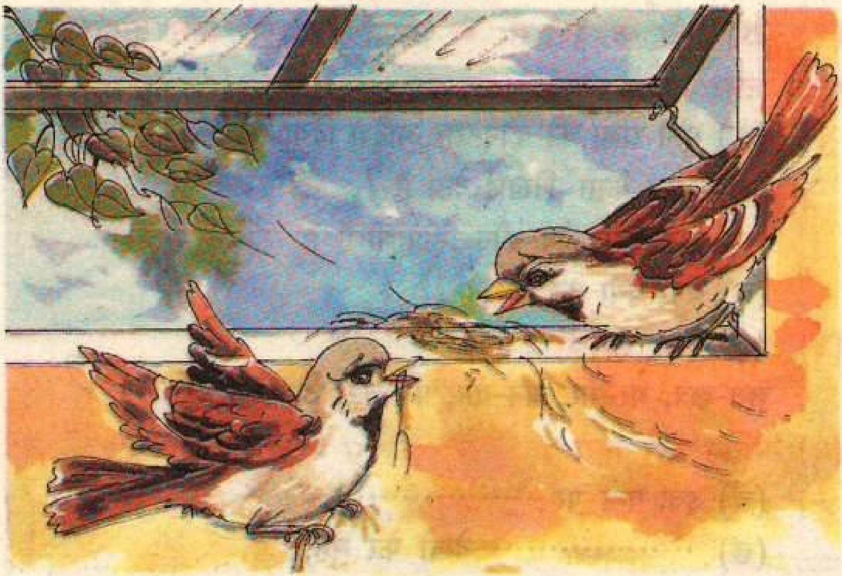

चीं-चीं की लगातार आती हुई आवाजें सुनकर दीपक ने देखा गौरैया का एक जोड़ा खिड़की के ऊपर घोंसला बना रहा था। वह बहुत खुश हुआ।

वे दोनों घासफूस या पंख अपनी चोंच में लाते और उन्हें खिड़की में फँसा देते परंतु खिड़की खुली होने के कारण घासफूस नीचे गिर रहे थे। ऐसा निरंतर हो रहा था। दीपक को बहुत दुख हुआ कि वे अपना घर नहीं बना सके।

दूसरे दिन सुबह दीपक ने उन्हें फिर अपने काम में जुटा हुआ देखा। वे बेहद शोर मचा रहे थे। उसने माँ से कहा, "ये पंछी यहाँ घोंसला नहीं बना पा रहे हैं। उनकी सहायता करनी चाहिए।"

❑ कहानी दो बार सुनाएँ। छात्रों से कहानी क्रमश: कहलवा लें। प्रश्नोत्तर द्वारा यह देखें कि उन्हें समझ में आया है। छात्रों को मेहनत एवं लगन से काम करने के लिए कहें।

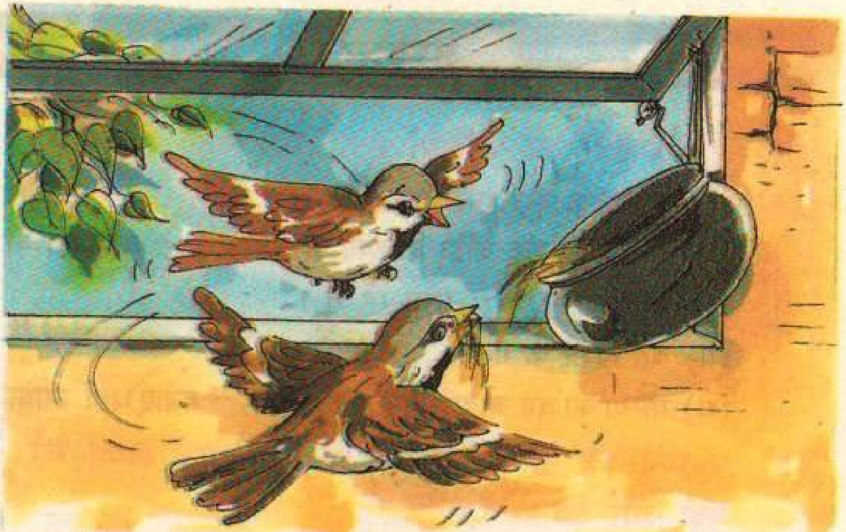

माँ ने कुछ देर सोचा। फिर दीपक को सुझाव दिया कि वह एक बरतन को ऊपर टाँग दे। वह खुशी के मारे उछल पड़ा । उसने उस बरतन में छोटा-सा छेद करके उसे एक कील के सहारे खिड़की पर लटका दिया । कुछ ही देर में गौरैया का वह जोड़ा अपने मुँह में तिनके दबाए वहाँ आया । उन्होंने जब बरतन लटका देखा तो वे खुशी के मारे चीं-चीं करने लगे । दोनों गौरैयों ने दो दिनों में ही बरतन के अंदर घोंसला बना लिया । दीपक नन्हे बच्चों की प्रतीक्षा करने लगा ।

अभ्यास

(१) पशु-पक्षियों की बोलियाँ सुनो और उनकी नकल करो ।

(२) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(क) गौरैया का एक जोड़ा खिड़की के ऊपर ······· बना रहा था ।

(ख) वे बेहद ········ मचा रहे थे ।

(ग) वह खुशी के मारे........पड़ा।

(घ) गौरैया का वह जोड़ा अपने मुँह में ········दबाए वहाँ आया ।

(३) पाठ्यपुस्तक के दो पृष्ठों में 'उ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(४) जोड़ियाँ मिलाओ और नाम बताओ :

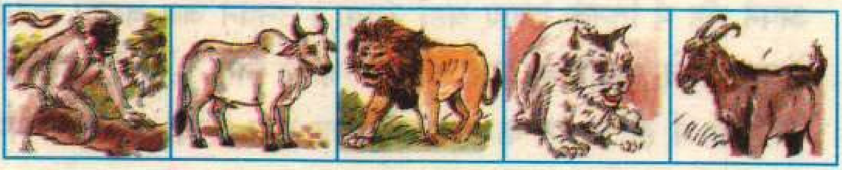

(५) उत्तर लिखो :

(च) गौरैया का जोड़ा किस तरह घोंसला बना रहा था ?

(छ) दीपक को दुख क्यों हुआ ?

(ज) बरतन को कैसे और कहाँ लटकाया गया ?

(झ) दीपक किसकी प्रतीक्षा करने लगा ?

- छात्र परी की कोई कहानी सुनाएँ ।

* सुनो और करो :

५. अक्कड़-बक्कड़

अक्कड़-बक्कड़ ।
लाल बुझक्कड़ ॥
कितना पानी बीच समंदर ?
कितना पानी धरती अंदर ?
आसमान में कितने तारे ?
बन में पत्ते कितने सारे ?
आगे-पीछे देखे अक्कड़,
अंदर-बाहर देखे बक्कड़,
दाएँ-बाएँ देखे अक्कड़,
ऊपर-नीचे देखे बक्कड़ ।

–रत्नप्रकाश 'शील'

❑ छात्रों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करके प्रश्नार्थक वाक्य बनाने के लिए कहें। आगे-पीछे, अंदर-बाहर, दाएँ-बाएँ, ऊपर-नीचे आदि की संकल्पनाएँ समझाएँ ।

अभ्यास

(१) खेल संबंधी जानकारी सुनो ।

(२) प्रस्तुत कविता पर परस्पर प्रश्न पूछो ।

(३) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों में 'ऊ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(४) पाँच-पाँच शब्द लिखो :

(क) एक अक्षरवाले शब्द – माँ, --------------------

(ख) दो अक्षरवाले शब्द – बेटा, --------------------

(ग) तीन अक्षरवाले शब्द – भारत, ------------------

(५) इंद्रधनुष में रंग भरो :

लानापीहनीआजा (लाल-नारंगी-पीला-हरा-नीला-आसमानी-जामुनी)

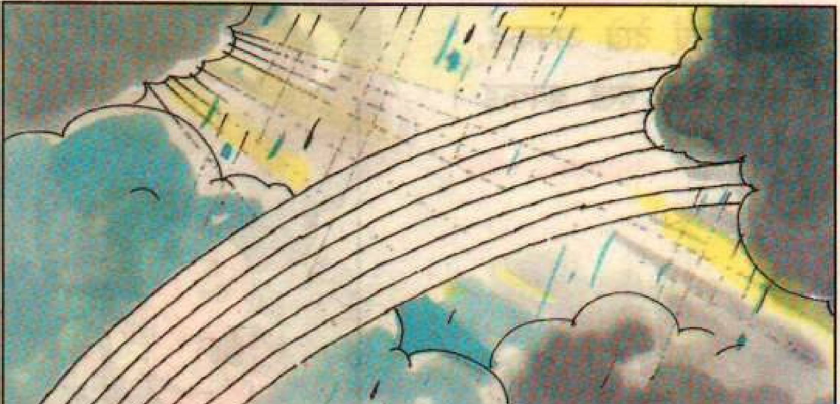

• छात्र विभिन्न प्रकार के सिक्कों का संग्रह करें ।

★ पढ़ो, समझो और बोलो :

६. मित्रता

(विनोद, राजू, अस्मिता, फरीदा आपस में चर्चा करते हुए।)

विनोद : राजू ! तुम बातचीत नहीं कर रहे हो। नाराज हो क्या ?

राजू : समीरा से मेरा झगड़ा हुआ है। उसने तुमसे कहा होगा।

अस्मिता : नहीं ! समीरा ने समझाया कि आपस में लड़ना नहीं चाहिए।

फरीदा : यह लो, कल तुम जो कंपास कक्षा में भूल आए थे, वह तुम्हें देने के लिए समीरा ने मुझे दिया है।

राजू : सचमुच मुझसे बड़ी भूल हो गई।
(पीछे से समीरा आती है।)

समीरा : राजू ! इसे भूल नहीं कहते। मित्रता में हाथ मिलाते हैं।
(इसपर सभी हँस पड़ते हैं।)

❑ दिया गया संवाद दो-तीन बार सुनाएँ। छात्रों में पात्रों की भूमिकाएँ बाँटकर उन्हें बोलने के लिए कहें। पाठ के कठिन शब्द पढ़वा लें और उनके अर्थ समझाएँ। अन्य संवाद करवाएँ।

अभ्यास

(१) मुल्ला नसरुद्दीन की कहानी सुनो ।

(२) कहावत और मुहावरों के अर्थ बताओ :

नाच न जाने आँगन टेढ़ा, पीठ थपथपाना, आग बबूला होना।

(३) पाठ्यपुस्तक के दो पृष्ठों में 'ऋ'मात्रावाले शब्दों को पढ़ो।

(४) उत्तर लिखो :

(क) राजू का किसके साथ झगड़ा हुआ था ?

(ख) समीरा ने फरीदा को कंपास क्यों दिया ?

(ग) विनोद ने राजू से क्या पूछा ?

(घ) समीरा ने अंत में क्या कहा ?

(५) पढ़ो और परस्पर श्रुतलेखन करो :

क्या तुम्हें महात्मा गांधीजी के तीन बंदर मालूम हैं ? यदि नहीं ! तो पढ़ो और समझो – बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो। इनका अपने आचरण में उपयोग करो और दूसरों को भी प्रेरित करो।

- छात्र पाठशाला में न आने का कारण बताएँ ।

*** पढ़ो और लिखो :**

७. घास

हम अपने आस-पास घास प्रतिदिन देखते हैं, दूब से लेकर ऊँची बाँस तक की घास हर आकार की पाई जाती है ।

तुम क्या जानो ? मैं हूँ कितनी खास,
गाय, भैंस ही नहीं, मनुष्य भी खाता है घास ।
रूप मेरे हैं अलग-अलग,
कभी हूँ चावल, गेहूँ, ज्वार, बाजरा,
चारों ओर धूम मचे, क्या है माजरा ।

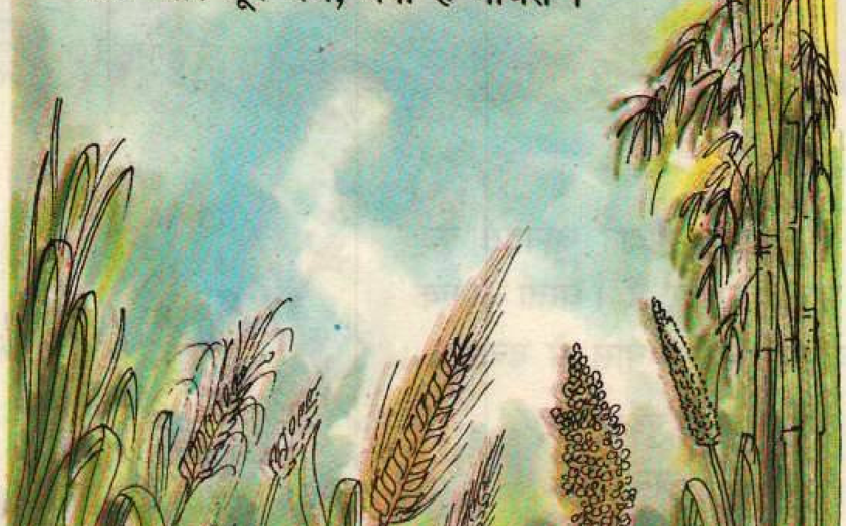

❑ पाठ को रोचक ढंग से समझाएँ । छात्रों से निबंध पढ़वाएँ और घास का महत्व पाँच पंक्तियों में लिखवा लें। छात्रों को प्रत्यक्ष अनाज दिखलाकर पहचानने के लिए कहें ।

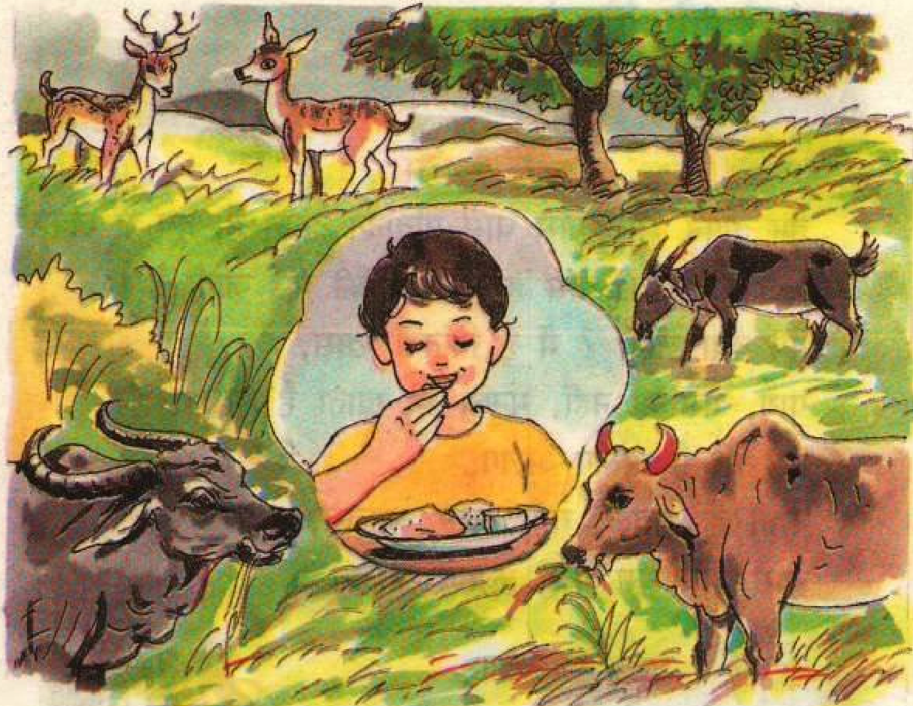

घास के मैदान जानवरों के प्राकृतिक घर हैं । धरती का एक चौथाई हिस्सा घास से ढका है ।

कागज कहे पुकार के,
बाँस से है जन्म मेरा,
बाँस कहे मैं भी रूप घास का ।
तो ? मानते हो न ?
घास में भी है कुछ खास ।

अभ्यास

(१) कृषि संबंधी कार्यक्रम देखो और सुनो।

(२) अनाज के प्रकार और हमारे जीवन में उनकी आवश्यकता पर चर्चा करो।

(३) बाँस संबंधी जानकारी पढ़ो।

(४) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) घास के रूप में खाद्यान्न के कौन-कौन-से प्रकार हैं ?

(ख) घास किस आकार में पाई जाती है ?

(ग) जानवरों के लिए प्राकृतिक घर कौन-से हैं ?

(घ) कागज क्या कहता है ?

(ङ) घास को खास क्यों कहते हैं ?

(५) गाँव और शहर के बारे में पाँच-पाँच वाक्य लिखो :

• छात्र किसी एक समाजसुधारक का चित्र दिखाएँ और नाम बताएँ ।

* सोचो और लिखो :

अपना फोटो

८. मेरे अपने

मैं....... हूँ। पिता जी के छोटे भाई हमारे ...... और उनकी पत्नी हमारी .... हैं । हमारी .... पिता जी की बहन हैं और उनके पति को ....कहतेहैं। हमारी माँ के भाई .... और उनकी पत्नी हमारी .... हैं। हम माँ की बहन को .... और उनके पति को ....कहते हैं।

चाची जी - चाचा जी

पिता जी - माता जी

मामा जी - मामी जी

फूफा जी - बुआ जी

मौसी जी - मौसा जी

❑ छात्रों को अपना फोटो चिपकाने और चित्र देखकर सभी रिक्त स्थानों की पूर्ति करने के लिए कहें । दर्शाए गए संबंधों को समझाकर छात्रों से पाठ्यांश का वाचन करवाएँ। छात्रों से अपने परिवार के फोटो के अलबम में रिश्तों के नाम लिखने के लिए कहें ।

अभ्यास

❖ रिक्त स्थान में उचित वर्ण भरकर अर्थपूर्ण शब्दों से पहेली पूर्ण करो :

(क, च, प, र, अ, ख, य, स, व, उ, ल, ज, ह, ग, थ, क्ष)

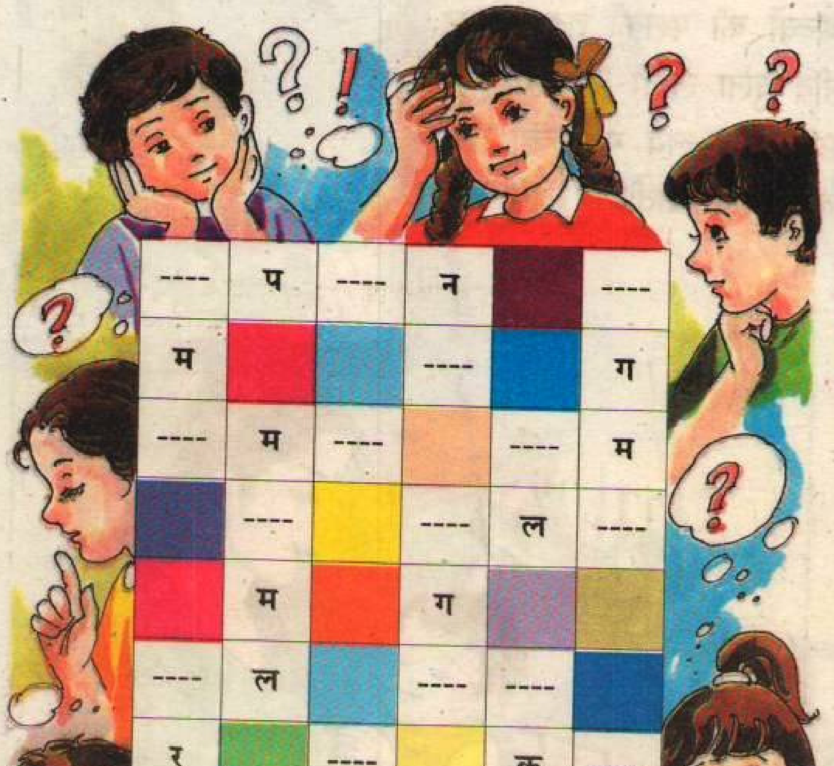

----	प	----	न		----
म			----		ग
----	म	----		----	म
	----		----	ल	----
	म		ग		
----	ल		----	----	
र		----		क	----
	----	ल			ण

* **सुनो और गाओ :**

९. लोरी

जब भी माँ गाती है लोरी,
जादू फैलाती है लोरी ।
बच्चों की पलकों तक झटपट,
नींद बुला लाती है लोरी ।
सही ताल-लय में बच्चों को,
थपकी दिलवाती है लोरी ।

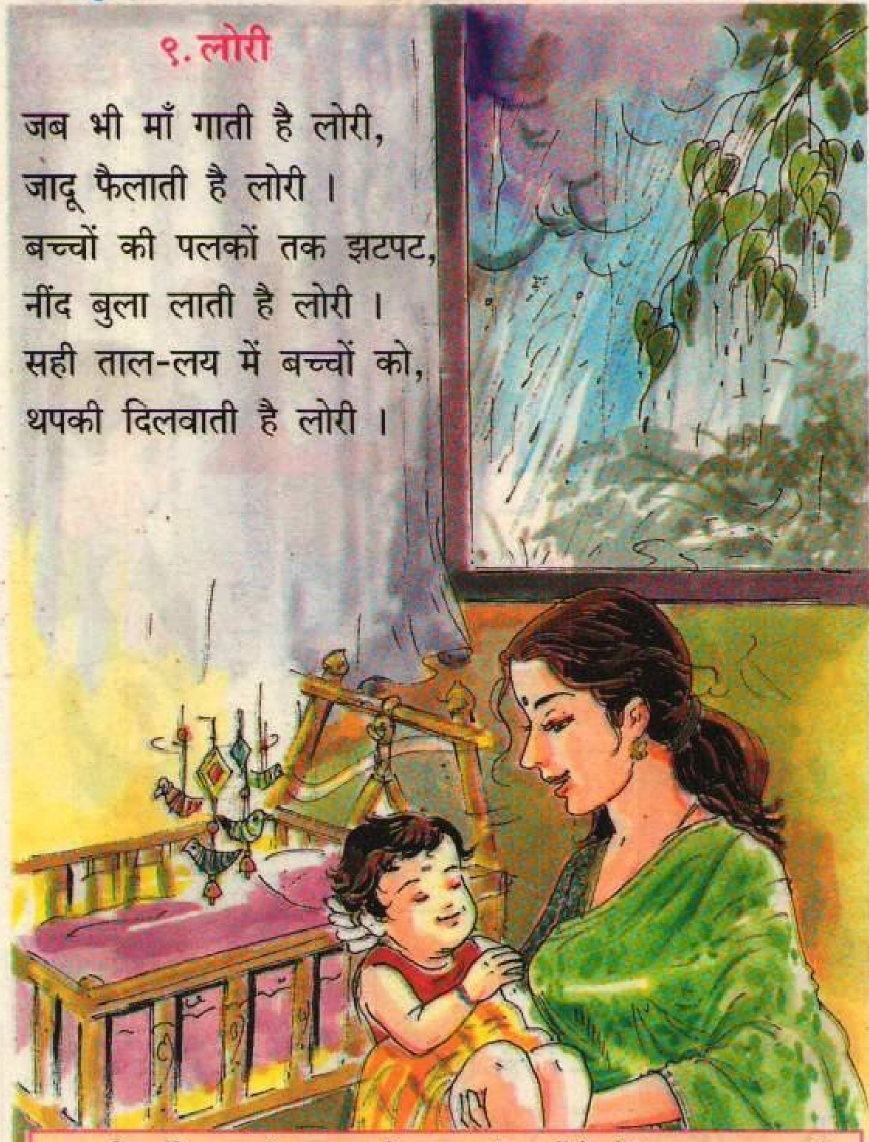

❑ कविता उचित लय और हाव-भाव के साथ सुनाएँ। छात्रों से लोरी का मुखर वाचन करने के लिए कहें। उन्हें एक-एक पंक्ति का अर्थ समझाएँ। अन्य लोरी सुनाकर दोहरवा लें।

जब भी माँ गाती है लोरी,
जादू फैलाती है लोरी ।
बरखा की रिमझिम रातों में,
और अधिक भाती है लोरी ।
दुनिया भर की हर भाषा में,
गाई जाती है यह लोरी ।
जब भी माँ गाती है लोरी,
जादू फैलाती है लोरी ।

अभ्यास

(१) शब्दों के अर्थ सुनो और दोहराओ :

लोरी, जादू, थपकी, बरखा, असर, अनदेखा, स्वच्छता ।

(२) पाठ्यपुस्तक के दो पृष्ठों में 'ए' और 'ऐ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(३) पूरी कविता का श्रुतलेखन करो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) लोरी क्या फैलाती है ?

(छ) दुनिया भर की हर भाषा में क्या गाई जाती है ?

(ज) लोरी कब अधिक भाती है ?

(घ) लोरी बच्चों को किस तरह थपकी दिलवाती है ?

(५) पढ़ो और समझो :

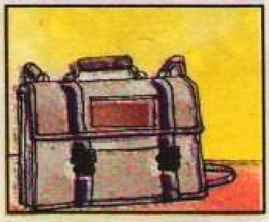

यह बस्ता है ।

ये बस्ते हैं ।

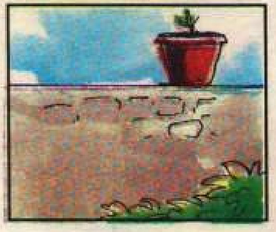

वह गमला है ।

वे गमले हैं ।

● छात्र सप्ताह में एक दिन किसी समाचार का अनुलेखन करें।

❑ छात्रों को यह-ये, वह-वे के अंतर और प्रयोग को समझाएँ। इनका अभ्यास करवा लें।

* पढ़ो और लिखो :

१०. सफलता

दूसरी कक्षा के सभी बच्चे एक से बढ़कर एक थे। जिसे देखो, वह कोई-न-कोई शरारत करता रहता था। सभी अध्यापक पूरी कक्षा से ही नाराज रहते थे। लेकिन करते भी क्या ? समझाने और डाँटने का भी उनपर कोई असर नहीं पड़ता था।

एक दिन नए अध्यापक जब कक्षा में आए तो वहाँ के रंग-ढंग को समझने में उन्हें जरा भी देर नहीं लगी। श्यामपट्ट पर कारटून बने हुए थे।

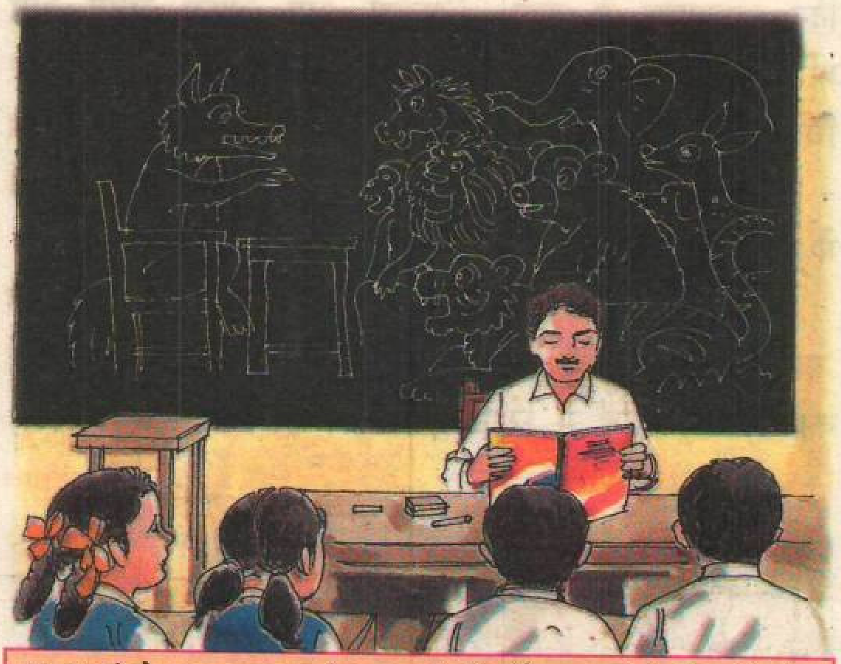

❑ कहानी दो बार सुनाकर पढ़वाएँ। आपस में छोटे-छोटे प्रश्न पूछने के लिए कहें। प्रेम, सहयोग, अच्छी आदतों के महत्व को समझाएँ। छात्रों से अपने अनुभव लिखवा लें।

नए अध्यापक ने उन चित्रों को अनदेखा करने का अभिनय किया और उपस्थिति लेकर वह सबका परिचय लेने लगे। उधर लड़के भी हैरान थे कि अध्यापक चित्रों को देखकर न तो बौखलाए और न डाँट-डपट की।

दूसरे दिन कक्षा में आते ही अध्यापक ने कहा, "कक्षा में सभी बच्चे चित्र अच्छा बनाते हैं, इसलिए मैं चाहता हूँ कि आज से प्रतिदिन चित्रकला की एक प्रतियोगिता रखी जाए।"

फिर क्या था, सभी ने बढ़िया-से-बढ़िया चित्र बनाए।

बच्चों का ध्यान धीरे-धीरे शरारतों से हटने लगा, तब एक दिन अध्यापक ने कहा, "बच्चो, तुम अपना समय और मस्तिष्क बेकार की शरारतों में गँवा देते थे। तुम्हारे बनाए हुए चित्र पहले दिन के चित्र से कहीं अधिक सुंदर हैं। इसका कारण - तुम्हारी सच्ची लगन और मेहनत है। इसको तुम जिस कार्य में भी लगाओगे ऐसे ही सफलता पाओगे।"

सभी बच्चे उनके व्यवहार से प्रभावित हुए। उन्हें अपनी भूल का आभास हो गया था। उसी दिन से बच्चों ने बुरी शरारतों को छोड़कर पढ़ाई में ध्यान देना शुरू कर दिया।

– ललिता अग्रवाल

अभ्यास

(१) हितोपदेश की कोई एक कहानी सुनो ।

(२) पढ़ो और समझो :

(क) मैं दूसरी कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।

(ख) मृणाल ने पूछा, "कहाँ गए थे ?"

उदय ने कहा, "मैं भोपाल गया था ।"

(ग) रौनक बिल्ली की ओर लपका और वह भाग गई ।

(घ) राजू खेल रहा है । उसके साथी बैठे हैं ।

(ङ) सोहन की बिल्ली इतनी प्यारी है कि सब उसे उठा लेते हैं ।

(३) वर्णमाला के 'प' से 'म' के वर्णों को कंठस्थ कर एक-दूसरे को सुनाओ ।

(४) उत्तर लिखो :

(च) दूसरी कक्षा के बच्चे क्या किया करते थे ?

(छ) नए अध्यापक ने श्यामपट्ट पर कौन-से चित्र देखे ?

(ज) दूसरे दिन अध्यापक ने किस प्रतियोगिता की सूचना दी ?

(झ) बच्चोंने शरारत करना क्यों छोड़ दिया ?

(५) सोचो और अक्षरों में लिखो :

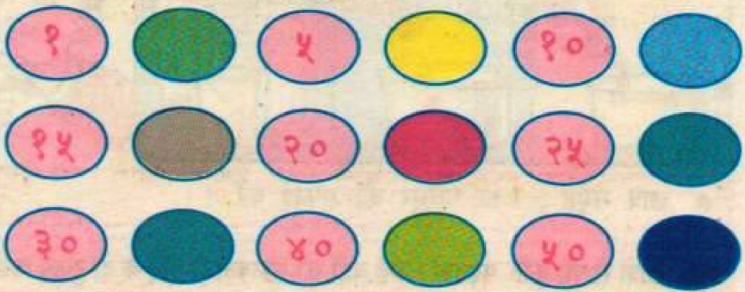

- छात्र पाठशाला के सूचनापट्ट पर लिखी हुई सूचना पढ़कर लिखें ।

*** पढ़ो, समझो और करो :**

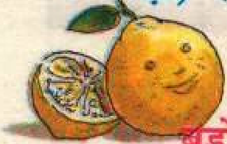

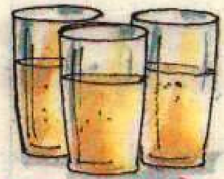

११. शरबत

बड़ों की देखरेख में नींबू का शरबत बनाओ ।

सामग्री : नींबू, चीनी, स्वाद के अनुसार सैंधव नमक, पानी, पतीली, कटोरी और तीन गिलास ।

कृति : एक पतीली में तीन गिलास ठंडा और स्वच्छ पानी लो। उसमें छह चम्मच चीनी डालकर मिलाओ । नींबू के दो टुकड़े करो। एक कटोरी में नींबू को निचोड़ो । नींबू के रस में से बीजों को निकालकर अलग करो । नींबू का रस चीनी मिश्रित पानी में डालो । स्वाद के अनुसार नमक मिलाओ। तीन गिलासों में शरबत डालो । ताऊ जी - ताई जी को पीने के लिए दो और स्वयं भी पियो ।

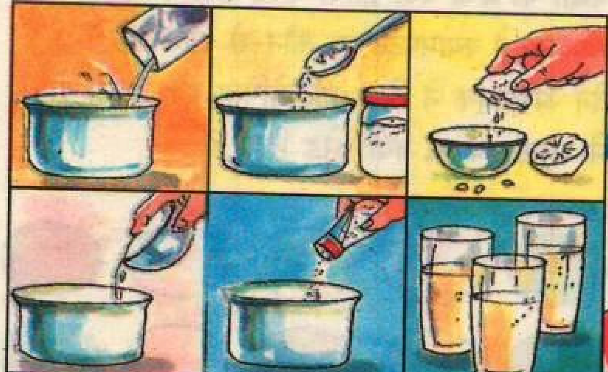

● छात्र समूह बनाकर परिसर की सफाई करें ।

❑ छात्रों से पूरी कृति पढ़वाएँ। उन्हें बड़ों की सहायता से नींबू के दो टुकड़े करके शरबत बनाने के लिए कहें । उसकी विधि को छात्रों से अपने शब्दों में कहलवा लें।

तीसरी इकाई

* पहचानो और बोलो :

१. समझो हमें

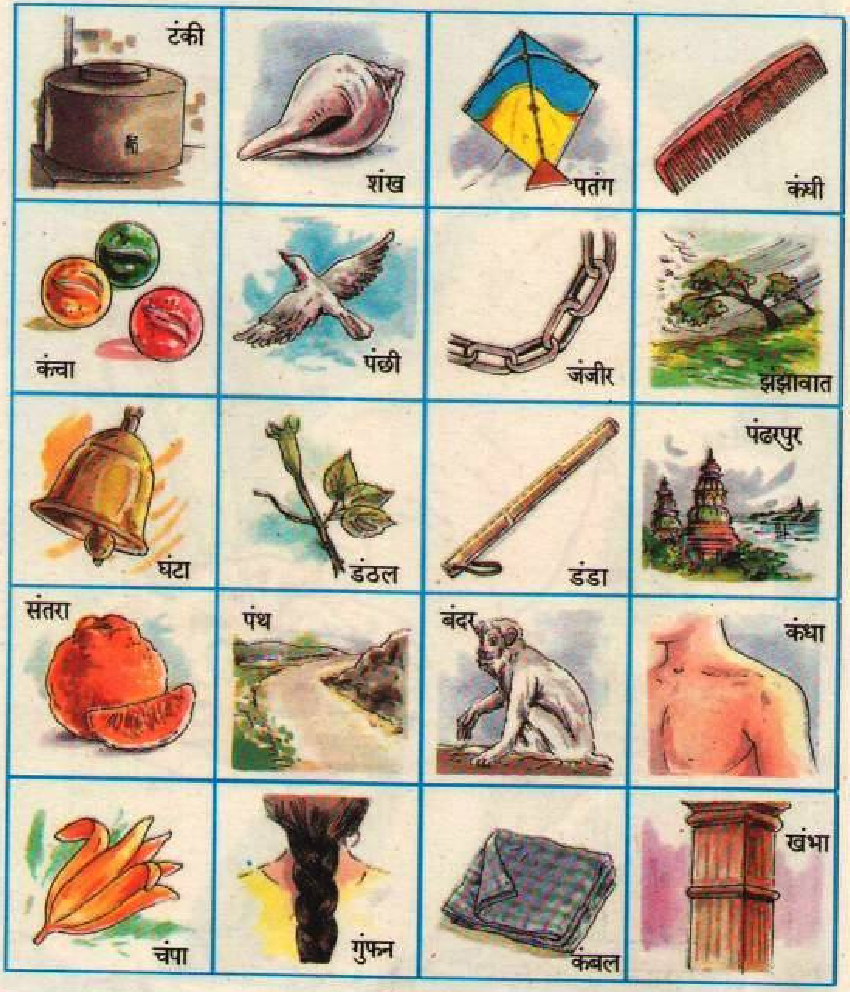

❑ तालिका के चित्र दिखाकर छात्रों से उनके नाम कहलवा लें । पंचमाक्षर का नियम समझें । इसी प्रकार अन्य पंचमाक्षरयुक्त शब्दों को दोहरवा लें । उन्हें वाक्यों में प्रयोग करके समझाएँ ।

अभ्यास

❖ गिनती के क्रमानुसार बिंदुओं को जोड़कर चित्र बनाओ :

• छात्र पालतू पक्षियों के नाम बताएँ ।

* देखो, समझो और बताओ :

२. सहायता

❑ चित्र दिखाकर शब्द और वाक्य कहलवा लें। छात्रों ने कभी किसी की सहायता की हो तो उन्हें बताने के लिए कहें। छात्रों को दूसरों की सहायता करने के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास

❖ देखो, समझो और बनाओ :

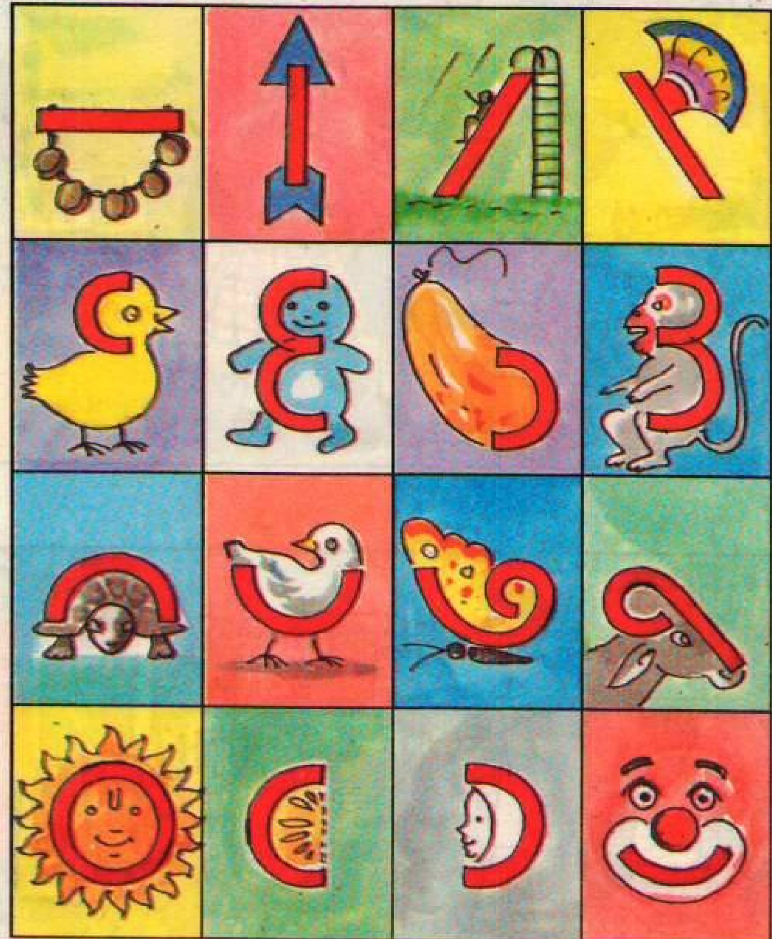

● छात्र पाठशाला में जाते समय दिखाई देनेवाले वृक्षों के नाम बताएँ ।

❑ वर्ण अवयवों की पहचान एवं लेखन के लिए रोचक खेल दिया गया है, जिसमें प्रत्येक वर्ण अवयव के लिए एक-एक चित्र बनाया गया है। उन्हें देखकर चित्र बनाने हैं। वर्ण अवयवों के आधार पर छात्रों से इच्छानुसार चित्र बनाने के लिए कहें। इनका अभ्यास करवा लें।

* सुनो और गाओ :

३. गुब्बारे

गुब्बारों का लेकर ढेर,
देखो, आया है शमशेर ।
हरे, बैंगनी, लाल, सफेद,
रंगों के हैं कितने भेद ।
कोई लंबा, कोई गोल,
लाओ पैसे, ले लो मोल ।

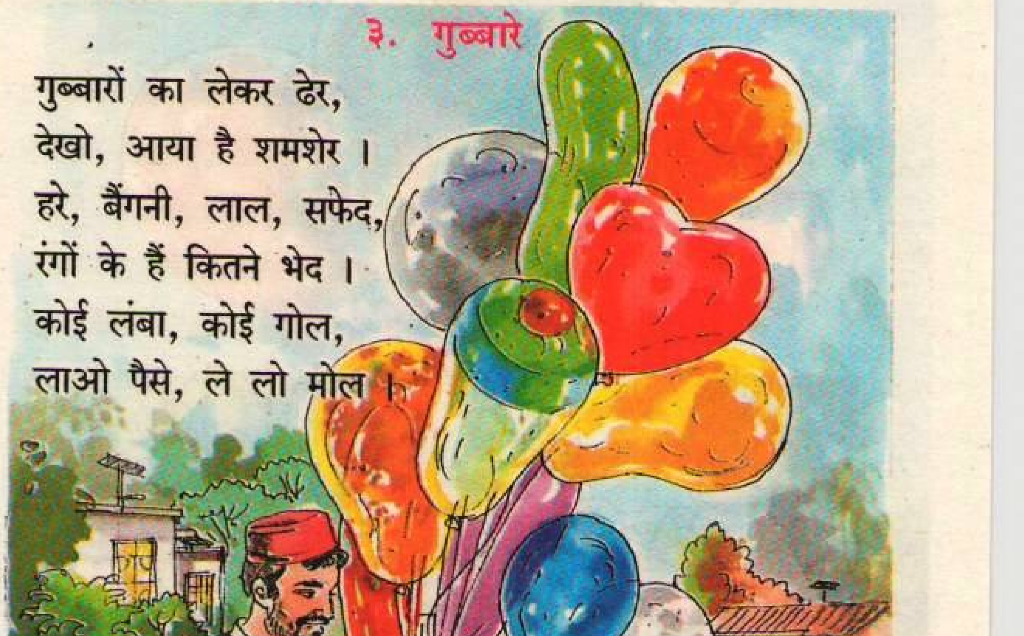

❑ कविता का सस्वर वाचन करें । छात्रों को मौन वाचन के लिए समय देकर कविता के अधिकाधिक शब्द बताने के लिए प्रोत्साहित करें । अन्य कविताएँ सुनाएँ और दोहरवा लें ।

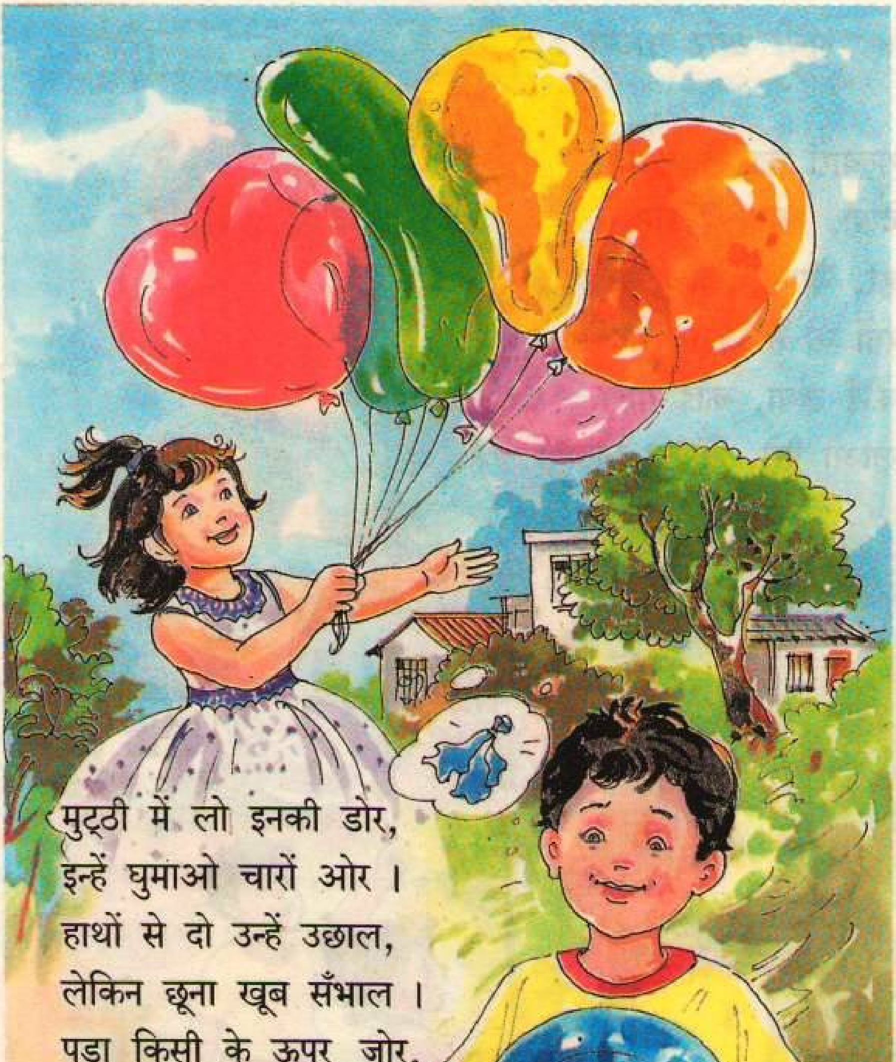

मुट्ठी में लो इनकी डोर,
इन्हें घुमाओ चारों ओर ।
हाथों से दो उन्हें उछाल,
लेकिन छूना खूब सँभाल ।
पड़ा किसी के ऊपर जोर,
एक जोर का होगा शोर ।
गुब्बारा फट जाएगा,
खेल खतम हो जाएगा ।

– डा. हरिवंशराय 'बच्चन'

अभ्यास

(१) वर्णमाला के 'य' से 'व' वर्णों को सुनो और दोहराओ।

(२) उत्तर दो :

(क) गुब्बारे किन-किन रंगों के होते हैं ?

(ख) मुट्ठी में डोर लेकर बच्चे क्या करते हैं ?

(ग) गुब्बारे को कैसे छूना चाहिए ?

(घ) गुब्बारा फटने से क्या होगा ?

(३) उचित शब्द बनाओ और पढ़ो :

स घा	नि क सै	प न उ व
त या ता या	स यो प ग दु	य द् ल वि या

(४) रोबोट में कुछ आकार दिए गए हैं। उन्हें पहचानकर उनके नाम बताओ :

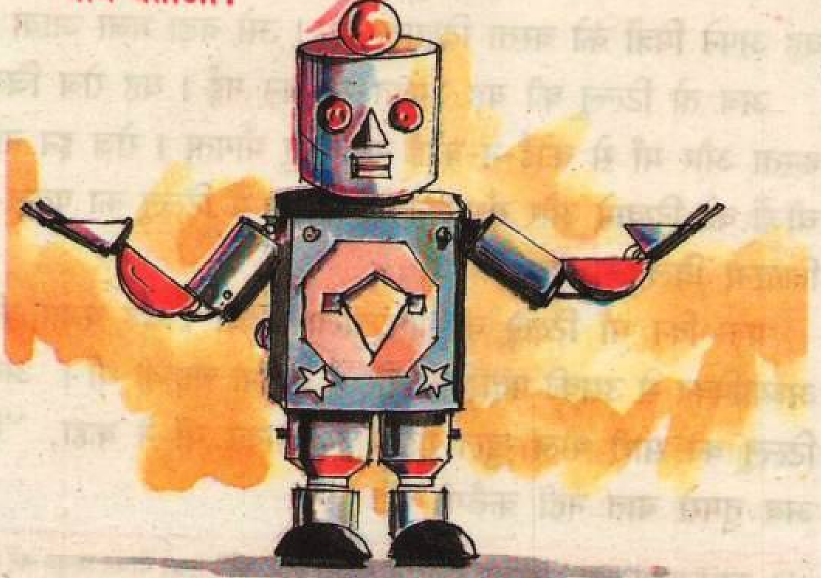

● छात्र कोई एक देशभक्तिपूर्ण बालगीत सुनाएँ।

*** सुनो और समझो :**

४. सीख

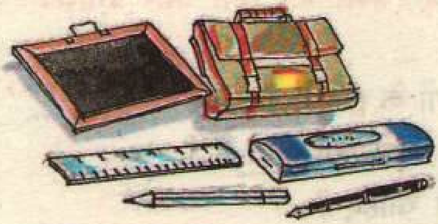

माँ को देखकर टिल्लू जमीन पर लोट गया, "मुझे नया बस्ता चाहिए । नहीं तो मैं शाला नहीं जाऊँगा । ऊँ... ऊँ..."

माँ ने उसे बहुत समझाया, पर वह नहीं माना । माँ तंग आ गई । अंत में माँ ने उसे बाजार से नया बस्ता दिलवा दिया ।

नया बस्ता लेकर टिल्लू खुशी-खुशी पाठशाला गया । वहाँ वह अपने मित्रों को बस्ता दिखाता रहा। उसे बड़ा मजा आया।

अब तो टिल्लू की यह आदत-सी बन गई । वह रोज जिद करता और माँ से कोई-न-कोई नई वस्तु माँगता । रोज इन नई चीजों को दिखाने और सँभालने के चक्कर में टिल्लू का पढ़ना-लिखना बिलकुल छूट गया ।

एक दिन माँ टिल्लू की पाठशाला पहुँची । वह कक्षा की अध्यापिका से उसकी पढ़ाई के बारे में जानना चाहती थी। अब टिल्लू की सारी पोल खुल गई। घर आकर माँ ने कहा, "मैं अब तुमसे बात नहीं करूँगी ।"

❑ कहानी पढ़कर सुनाएँ । प्रश्नोत्तर द्वारा पूरी कहानी स्पष्ट करें । मुखर वाचन प्रस्तुत करें । छात्रों को अच्छी आदतों को अपनाने और खराब आदतों को छोड़ने के लिए प्रेरित करें ।

दूसरे दिन जब वह पाठशाला गया तो अध्यापिका ने उससे बात नहीं की ।वह मित्रों के बीच खेलने पहुँचा तो सब बच्चे एक साथ चिल्ला उठे, "हम टिल्लू के साथ नहीं खेलेंगे।"

"क्यों नहीं खेलोगे मेरे साथ ?" आँखों में आँसू भरकर टिल्लू ने पूछा । "क्योंकि तुम माँ का कहना नहीं मानते ।" सरला ने कहा। "तुम पढ़ाई नहीं करते।" केशव ने कहा । तुम माँ से रोज नई-नई चीजें माँगते हो।" दीपू ने कहा।

"अच्छा, अब मैं माँ का कहना मानूँगा, पढ़ाई भी करूँगा। अब तो मेरे साथ खेलोगे ?" टिल्लू ने सिर झुकाकर कहा ।

"जिद तो नहीं करोगे ?" अध्यापिका ने पास आकर पूछा। "नहीं करूँगा ।" टिल्लू ने जवाब दिया ।

टिल्लू के साथ सब खेलने लगे । टिल्लू को अब सभी प्यार करने लगे । उसने हठ करना जो छोड़ दिया था।

अभ्यास

(१) आदतों के विषय में विचार सुनो और उसपर चर्चा करो ।

(२) इस कहानी से क्या सीख मिलती है ?

(३) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों में 'ओ' मात्रावाले शब्दों को चुनकर पढ़ो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) टिल्लू की पढ़ाई क्यों छूट गई ?

(ख) टिल्लू को कौन-सी आदत लग गई ?

(ग) माँ ने टिल्लू से बातचीत करना क्यों छोड़ दिया ?

(घ) पाठशाला के बच्चों ने टिल्लू से क्या कहा ?

(ङ) टिल्लू से सभी फिर से प्यार क्यों करने लगे ?

(५) सही शब्द चुनकर चौखट में उसका क्रमांक लिखो :

१ २

लड़का/लड़के

लड़की/लड़कियाँ

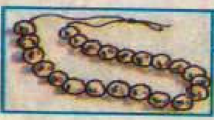

माला/मालाएँ

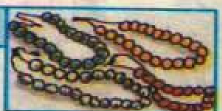

पुस्तक/पुस्तकें

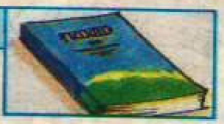

• छात्र खिलौनों से संबंधित कहानी सुनाएँ ।

*** सुनो और करो :**

५. चल्लम-चल्लम

हल्लम-हल्लम हौदा, हाथी चल्लम-चल्लम,
भारी-भारी मूँड़ मटकता झम्मम-झम्मम।
लंबी - लंबी सूँड़ फटाफट फट्टर - फट्टर,
लंबे- लंबे दाँत खटाखट खट्टर-खट्टर।
पर्वत जैसी देह थुलथुली थल्लम-थल्लम,
हल्लम-हल्लम हौदा, हाथी चल्लम-चल्लम,
खंभे जैसे पाँव धपाधप धम्मम-धम्मम।
दिन भर घूमेंगे हाथी पर हल्लर-हल्लर,
हाथी दादा जरा नाच दो थल्लर-थल्लर।
अरे नहीं! हम गिर जाएँगे धम्मम-धम्मम,
हल्लम-हल्लम हौदा हाथी चल्लम-चल्लम।

– डा. श्रीप्रसाद

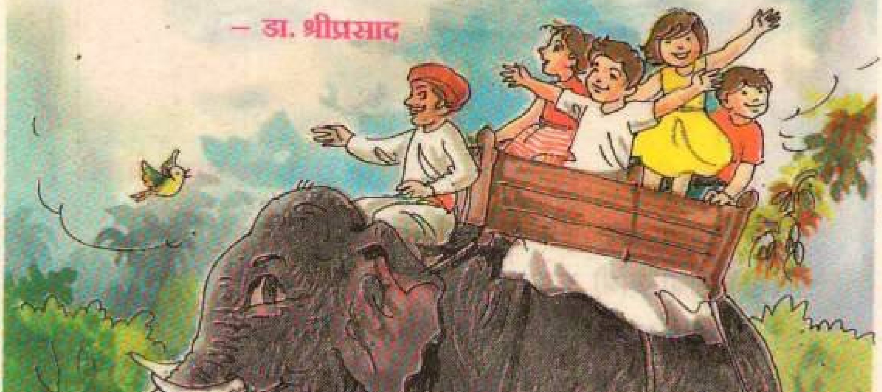

❑ छात्रों से कविता शीघ्रता से कहलवाकर कृति करवा लें। उनसे तुकांत शब्दों की सूची बनवा लें। कविता का श्रुतलेखन् करवाएँ और आपस में कापी जाँचने के लिए कहें।

अभ्यास

(१) ध्वनिफीते पर कोई 'बाल नाटक' सुनो और उसपर चर्चा करो ।

(२) 'भोजन में कौन-कौन-से पदार्थ होने चाहिए ?' इस विषय पर चर्चा करो ।

(३) निम्नलिखित पंक्तियों का उचित क्रम लगाकर बोलो :

(क) हाथी दादा जरा नाच दो थल्लर-थल्लर ।

(ख) लंबी-लंबी सूँड़ फटाफट फट्टर-फट्टर ।

(ग) भारी-भारी मूँड़ मटकता झम्मम-झम्मम ।

(घ) हल्लम-हल्लम हौदा, हाथी चल्लम-चल्लम ।

(४) पाठ्यपुस्तक के किन्हीं दो पृष्ठों में 'औ' मात्रावाले शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

(५) कविता के दस तुकांत शब्द लिखो ।

- छात्र खेल और खिलाड़ी की सूची बनाएँ ।

★ पढ़ो, समझो और बोलो :

६. पाउडर का बच्चा

माँ : रूबी, मौंटी क्या कर रहा है ?

रूबी : आँगन में खेल रहा है।

माँ : उसे अंदर ले आ, नहला देती हूँ। (मौंटी अंदर आते ही)

मौंटी : माँ, दीदी कहाँ गई हैं ?

माँ : तुम्हारे लिए पाउडर लाने।

(रूबी के हाथ में पाउडर का छोटा डिब्बा)

रूबी : माँ, यह लो पाउडर।

मौंटी : माँ, दीदी पाउडर नहीं,पाउडर का बच्चा लाई हैं।

माँ : कैसे ?

मौंटी : पुराना डिब्बा बड़ा और यह है उसका छोटा बच्चा।

❑ यथोचित हाव-भाव के साथ संवाद सुनाएँ। इसका नाट्यीकरण करवा लें। प्रत्येक छात्र को प्रतिभागी कराते हुए अन्य प्रसंग सुनाने के लिए कहें। छात्रों का मार्गदर्शन करें।

अभ्यास

(१) जातक कथाओं में से कोई एक कहानी सुनो और अपने शब्दों में उसे सुनाओ ।

(२) 'शरीर की स्वच्छता' विषय पर चर्चा करो ।

(३) पाठ्यपुस्तक में आए हुए '̇' अनुस्वारयुक्त शब्दों को पढ़ो औ लिखो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) आँगन में कौन खेल रहा था ?

(ख) दीदी क्या लाने गईं ?

(ग) माँ ने मौंटी को अंदर क्यों बुलाया ?

(घ) मौंटी ने पाउडर के छोटे डिब्बे को देखकर क्या कहा ?

(५) शब्दों का अर्थ बताकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो :

क्यारी, जन्मदिन, सहायता, आसमान, अध्ययन, आभूषण, वर्षा, सैर, तालाब, त्योहार, चकरी, प्रतियोगिता, सचमुच, संदेह ।

- छात्र घर पर मनाए गए त्योहार की जानकारी दें ।

★ पढ़ो और लिखो :

७. मैं पाठशाला

ऊँची-ऊँची पहाड़ियों के बीच मैं बसी हुई हूँ। छोटे-छोटे बच्चे मेरे अगल-बगल में खेलते रहते हैं। अध्यापक जी के आते ही सब चुप होकर बैठ जाते हैं । फिर होती है उपस्थिति शुरू।

अब तो तुम जान गए न ? मैं कौन हूँ ? मैं हूँ पाठशाला। छात्र-छात्राएँ हैं मेरे आभूषण, जिनसे मैं सजती हूँ। मेरे आँगन और दीवारों को मेरे बच्चे ही साफ-सुथरा रखते हैं । वे बड़े प्यार से मुझे गोबर के पानी से लीपते हैं ।

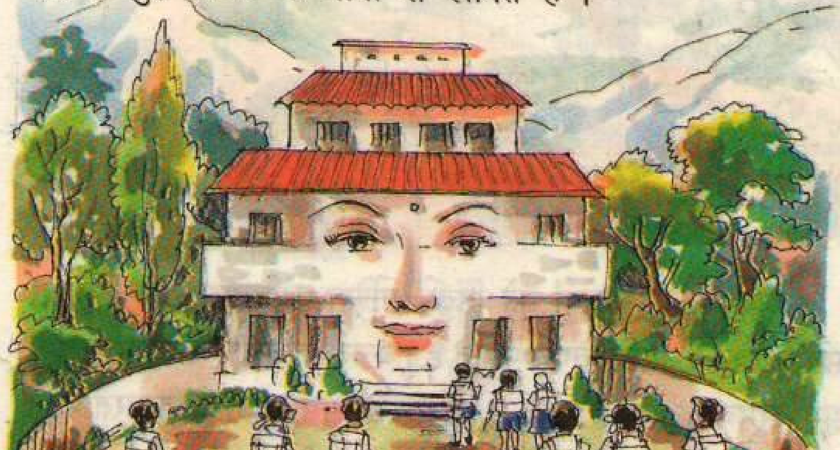

❑ छात्रों को आत्मकथा पढ़कर सुनाएँ। उनसे आत्मकथा का क्रमश: वाचन करवा लें। पढ़ाई की आवश्यकता समझाते हुए उनमें रुचि बढ़ाने के उपाय करें । अन्य आत्मकथाएँ सुनाएँ।

अध्यापक जी बच्चों को हिंदी, गणित, इतिहास, कार्यानुभव, संगीत, कला आदि विषय पढ़ाते हैं। बच्चे कविताएँ नाच-नाचकर, झूम-झूमकर गाते हैं। तब मैं खुशी से झूम उठती हूँ। शरारत करने पर जब उन्हें डाँट पड़ती है तब मैं भी दुखी होती हूँ।

किसी विशेष अवसर पर अध्यापक जी की देखरेख में मुझे झंडियों और पताकाओं से सजाया जाता है। बच्चों की खुशी में ही मेरी खुशी है। मैं छुट्टियों के दिन बच्चों की राह देखती हूँ। कुछ छात्र बड़े होने के बाद भी मुझे देखने और मुझसे मिलने आते हैं। तब मेरा सिर गर्व से ऊँचा उठ जाता है।

अभ्यास

(१) वर्णमाला के 'श' से 'ह' वर्णों को सुनो और दोहराओ ।

(२) 'आँखों को सुरक्षित कैसे रखें ?' इस विषय पर चर्चा करो।

(३) निबंधमाला की पुस्तक से 'पाठशाला' विषय पर निबंध पढ़ो ।

(४) 'यदि', 'तो' का प्रयोग करके उत्तर लिखो :

(क) पाठशाला में कमरे होते ....।

(ख) पाठशाला में खेल का अच्छा मैदान होता ....।

(ग) हमारे गाँव में पुस्तकालय होता .... ।

(घ) पाठशाला में सुंदर-सुंदर पेड़-पौधे होते .... ।

(५) चित्र देखकर शब्द ठीक करो :

कड़ाई

कड़ाही

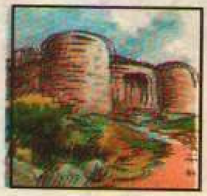
गढ

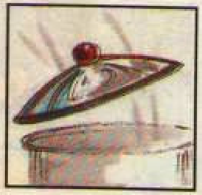
डकना

ओसध

चिडिया

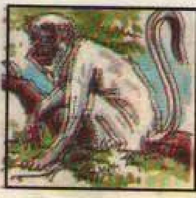
बदर

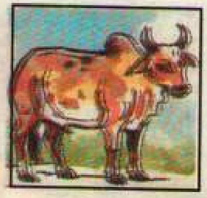
बल

- छात्र समूह बनाएँ और संतों के चित्रों की नामसहित प्रदर्शनी लगाएँ ।

* पढ़ो और लिखो :

८. परीक्षाफल

❑ छात्रों से चित्रकथा पढ़वाएँ । इसमें निहित कल्पना के बारे में पूछें। संवाद का श्रुतलेखन करवा लें और इसपर चित्र बनाने के लिए कहें । अन्य चित्रकथाएँ देकर पढ़वाएँ ।

अभ्यास

* सोचो और अंतर लिखो :

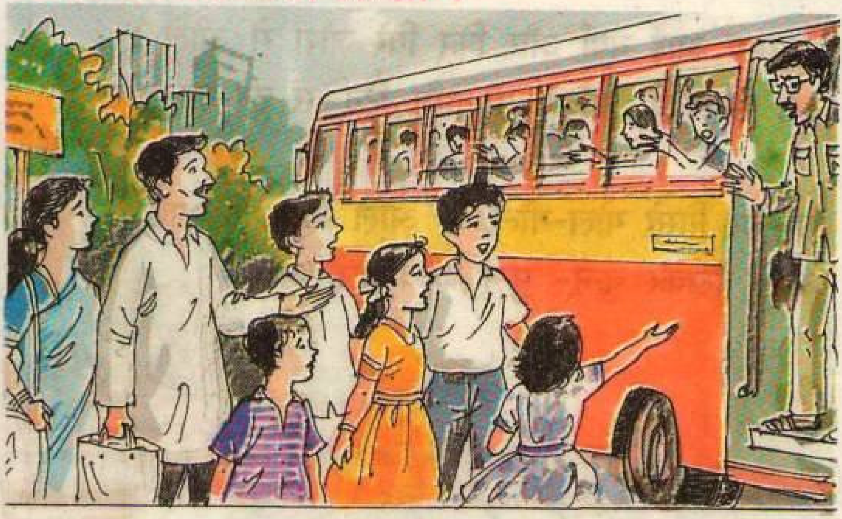

❑ दोनों चित्रों को ध्यान से देखकर छात्रों को अंतर बताने के लिए कहें । कहानी के माध्यम से छोटे परिवार का महत्व समझाएँ । 'छोटा परिवार - सुखी परिवार' इसपर चर्चा करें ।

* सुनो और गाओ :

९ . ओले

असमय आई वर्षा और फिर गिरे जोश से ओले ।
छत पर कहीं, चाँदनी पर और टिन पर टुन-टुन बोले ।

सर-सर गिरते गोल-गोल, ये ओले बहुत ही भाए ।
ओले देखकर चुन्नू- मुन्नू बच्चे दौड़े आए ।

❑ कविता उचित लय और स्पष्ट उच्चारण के साथ सुनाएँ । मौन वाचन करवाकर शब्द कहलवा लें । छात्रों को प्रश्नोत्तर द्‌वारा कविता समझाएँ । अन्य कविताएँ दोहरवाएँ।

आइस-गोली जैसे ओले सबने खूब उठाए।
मन में आया इन ओलों का महल ही बनाएँ।

गोल-गोल और सफेद भी थे ओले ठंडे-ठंडे ।
बच्चा एक कहीं से बोला, "हैं वर्षा के अंडे ।"

वर्षा रुकी समय कुछ बीता ओले हो गए पानी ।
"बारिश में मत खेलो बच्चो," बुला रही थी नानी ।

—रमेश दीक्षित

अभ्यास

(१) हास्य गीत सुनो और गाओ ।

(२) उत्तर दो :

(क) ओले कहाँ पर गिर रहे थे ?

(ख) बच्चे दौड़कर क्यों आए ?

(ग) ओलों को देखकर बच्चों के मन में क्या विचार आया ?

(घ) नानी बच्चों से क्या कह रही थी ?

(३) ऋतुओं के नाम बताओ :

(४) दिए हुए वाक्यों को सही क्रम में लिखो :

(च) किसान सहायता से है करता बैलों की खेती

(छ) मेला नदी है किनारे के लगा

(ज) पास के बहता से गाँव है झरना

(झ) गलती में समझ को अपनी आ नकुल गई

(ञ) बिल्ली के खेलने साथ लगी संगीता

(५) पाठ्यपुस्तक के अनुनासिक चिह्नवाले (ँ) शब्दों को पढ़ो और लिखो।

- छात्र महीने में एक दिन परस्पर श्रुतलेखन करें ।

★ पढ़ो और लिखो :

१०. खेल-खेल में

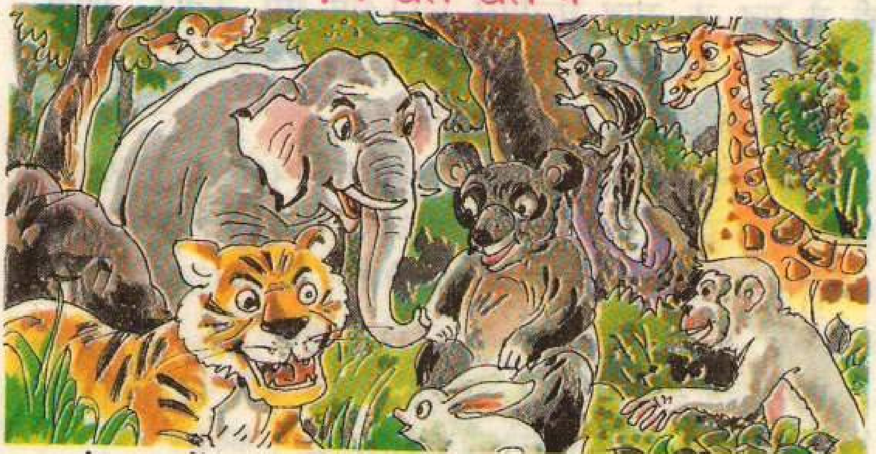

नंदनवन में राजा शेरसिंह का राज था। चारों तरफ सुख, शांति और खुशहाली थी। सभी जानवर मिल-जुलकर रहते थे।

एक दिन खूब तेज बारिश हुई। नंदनवन की नदी उफान मारने लगी। स्थिति का निरीक्षण करने आए मंत्री भालूदास की दृष्टि नदी किनारे पड़े दो अनजान जानवरों पर पड़ी। उन्हें जल्दी से अस्पताल पहुँचाकर उनका इलाज कराया गया।

हिरनी अपने घर से उनके लिए दूध लाती, तो कोयल उन्हें नाश्ता भिजवाती। मैना भी दोपहर के खाने का प्रबंध करती। गौरैया रात का खाना दे जाती। सभी ने मिल-जुलकर उन मेहमानों की खूब सेवा की। वे बिलकुल ठीक हो गए।

"मेरा नाम चंपी सियार है और यह बंपी लोमड़ी है। दोस्तो, क्या हम तुम्हारे साथ कुछ दिन और रह सकते हैं?"

❑ प्रश्नोत्तर द्‌वारा कहानी को स्पष्ट करें। आपसी भाईचारा, विश्वास का महत्त्व बताएँ। कहानी का मौन वाचन करवाकर छात्रों से अपने शब्दों में कहानी लिखने के लिए कहें।

'हाँ हाँ, क्यों नहीं।'' सभी जानवरों ने एकसाथ कहा। जल्दी ही वे सब के साथ घुलमिल गए। धीरे-धीरे उन्होंने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। खेल-खेल में वे दोनों सबको एक-दूसरे के खिलाफ भड़काते रहते।

एक दिन राजा शेरसिंह अपने मंत्री के साथ भेष बदलकर गश्त लगा रहे थे। उन्होंने चंपी-बंपी को वाइटी खरगोश के कान भरते रंगे हाथों पकड़ लिया। आगे बढ़कर उन्होंने दोनों के कान पकड़े, "हमारे सेवा भाव और प्यार का यह बदला दिया तुमने।"

दूसरे दिन सभा बुलाकर शेरसिंह ने चंपी-बंपी को धमकाया, "हमारे राज्य में दोबारा घुसने की कोशिश भी न करना।"

फिर शेरसिंह ने सब जानवरों की तरफ मुड़कर कहा, "मुझे दुख इस बात का है कि तुम इन बदमाशों की बातों में आ गए। अरे, दोस्ती हमेशा विश्वास पर टिकती है।"

सभी जानवर शर्मिंदा थे। उन्होंने मन-ही-मन फैसला किया कि अब हम हमेशा एक-दूसरे पर पूरा भरोसा करेंगे और किसी के भी बहकावे में नहीं आएँगे।

अभ्यास

(१) तेनालीराम की कहानी सुनाओ ।

(२) पढ़ो और समझो :

कंगन, चंचल, झंडा, नंदन, मुंबई ।

(३) उत्तर लिखो :

(क) नंदनवन की सुख, शांति और खुशहाली का क्या कारण था ?

(ख) भालूदास को दो जानवर कहाँ दिखाई दिए ?

(ग) मेहमानों की सेवा कैसे की गई ?

(घ) शेरसिंह ने चंपी और बंपी को देश निकाला क्यों दिया ?

(४) विद्यालय से घर आते समय दूकानों के नामपट्ट पढ़ो :

(५) सही वाक्य बनाओ :

(क) आप प्रगति पुस्तिका पर हस्ताक्षर करो / कीजिए ।

(ख) साहिल, तुम समाचारपत्र पढ़ो / पढ़ें ।

(ग) गुरु जी, मुझे पुस्तक दो / दीजिए ।

(घ) रोशन, तू अपनी पुस्तक लो / ले ।

- छात्र परिसर में दिखाई देनेवाली सूचनाओं को पढ़कर लिखें ।

★ पढ़ो, समझो और करो :

११. फल

तुम मिट्टी से बने खिलौने, बरतन, दीये आदि देखते हो । आज हम मिट्टी का सीताफल (शरीफा) बनाएँगे ।

सामग्री : मिट्टी, पानी, डंठल, हरा, पीला रंग, कपास ।

कृति : मिट्टी में पानी मिलाकर गेंद जैसा एक गोला बनाओ । अब मिट्टी की छोटी-छोटी गोलियाँ बनाकर संपूर्ण गोले पर एक-दूसरे से सटाकर चिपकाओ । डंठल को गोले के ऊपर खोंस दो ।

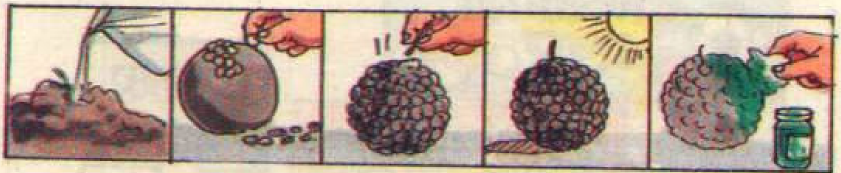

अब मिट्टी के बने सीताफल को धूप में सुखाओ । सूखने के पश्चात गोले पर कपास से हरा तथा पीला रंग लगाओ । देखो, बन गया मिट्टी का सीताफल ।

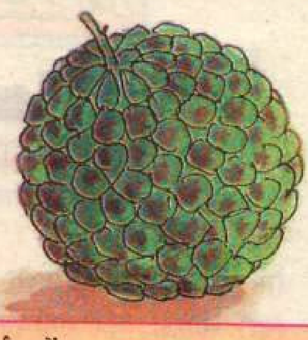

- छात्र समूह बनाकर पाठशाला की सफाई करें ।

❑ पाठ्यांश पढ़वाकर समझाएँ और प्रत्यक्ष करके दिखाएँ । देखें कि छात्र सूचनाओं का पालन करते हैं । छात्रों को अन्य फल बनाने के लिए कहें । उनकी सहायता करें ।

* पहचानो और बोलो :

१. जुड़ें हम

❑ तालिका के चित्र पहचानकर बोलने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर तथा 'र' के प्रकारों को स्पष्ट करें। अन्य संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द कहलवा लें । उन्हें वाक्यों में प्रयोग करके समझाएँ ।

अभ्यास

❖ जोड़ियाँ मिलाओ :

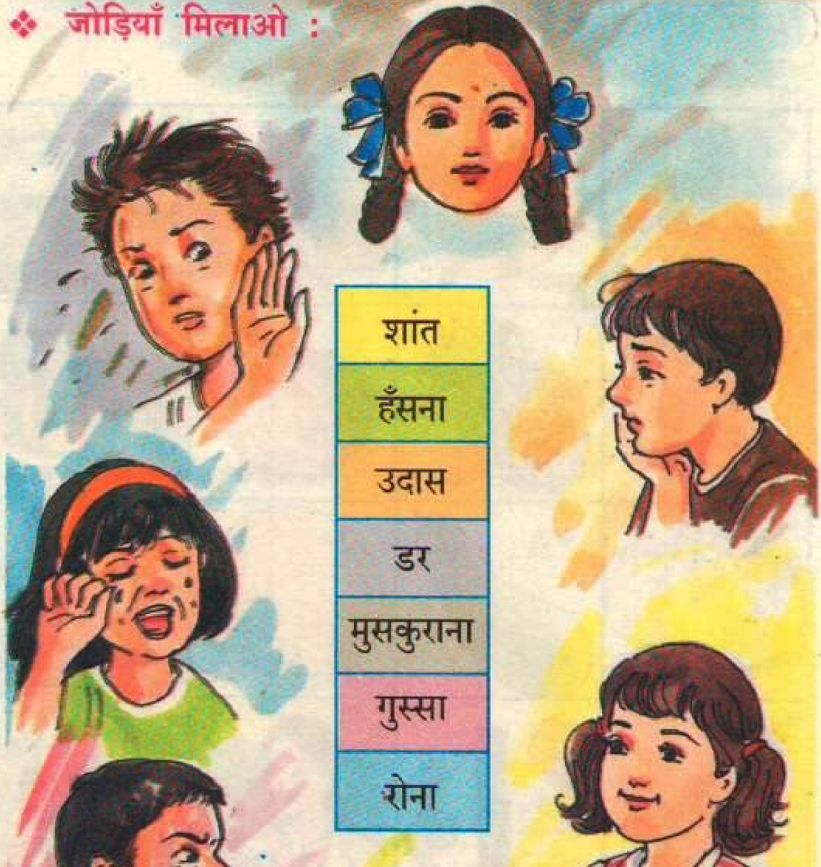

• छात्र वन्य पक्षियों के नाम बताएँ ।

* देखो, समझो और बताओ :

२. बचत

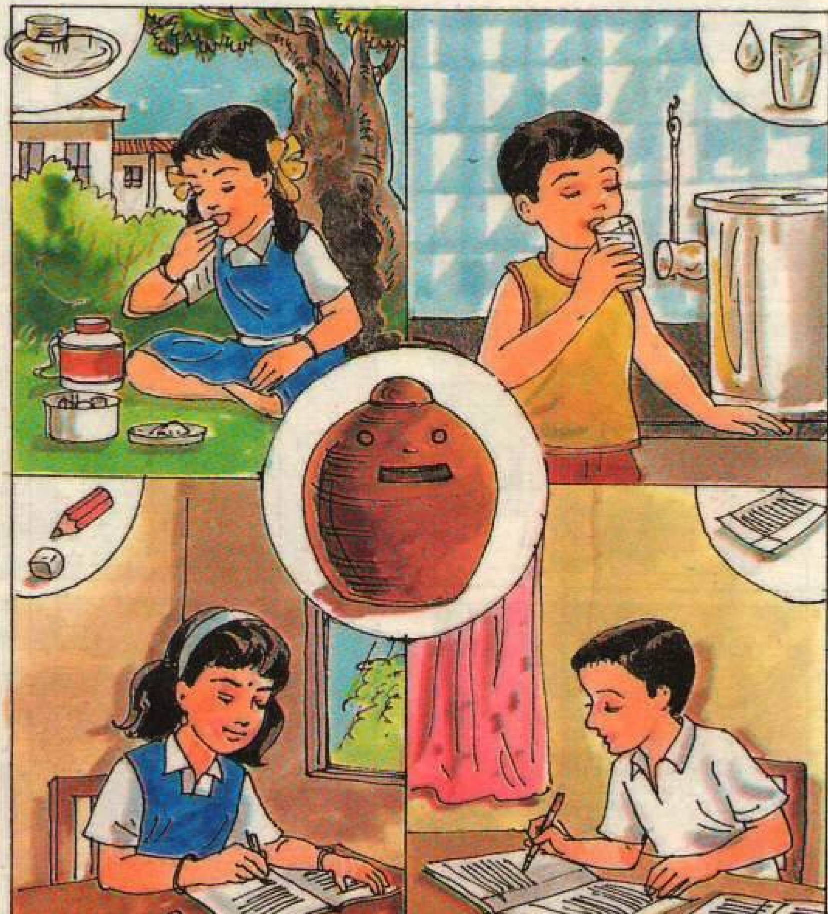

❑ चित्रों को दिखाकर समझाएँ । छात्रों से भोजन, पानी, पेंसिल, रबड़, कागज का पूरा उपयोग करने के लिए कहें ।दैनिक व्यवहार में इनके द्‌वारा होनेवाली बचत पर छात्रों से चर्चा करें ।

अभ्यास

करेंगे　　　　　　　　　　　　नहीं करेंगे

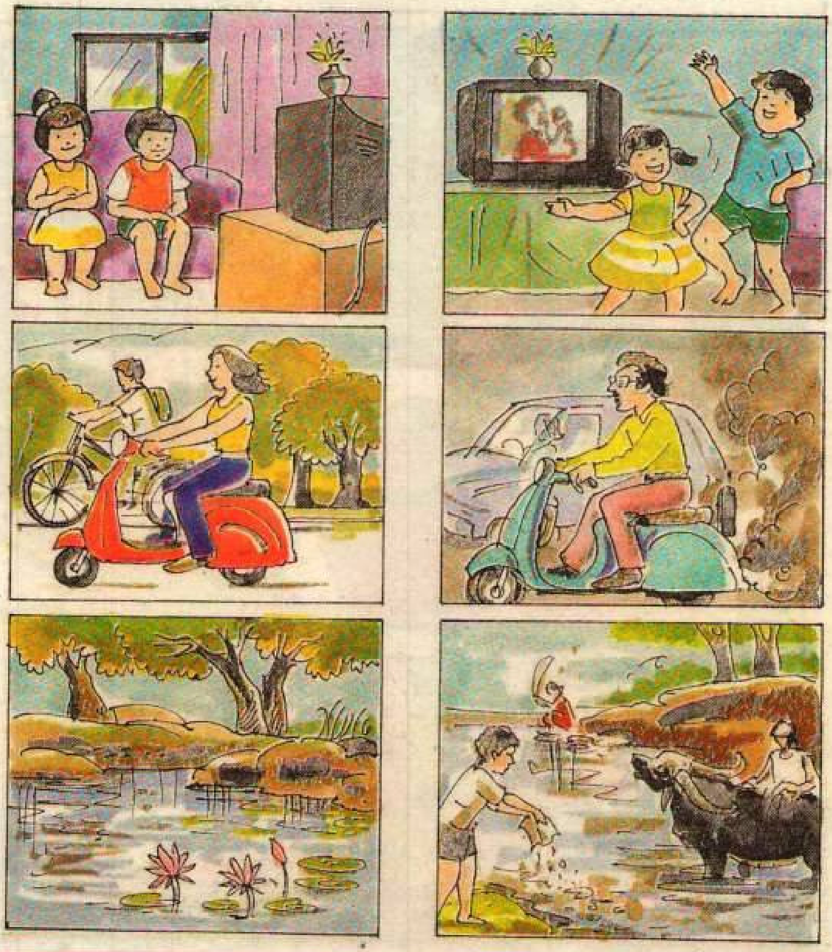

- छात्र बगीचे में दिखाई देनेवाले फूलों के चित्र बनाकर उनके नाम बताएँ।

❑ छात्रों से चित्रों की जोड़ियाँ मिलवा लें। चित्रों से संबंधित सरल प्रश्न पूछकर जानकारी कहलवाएँ। छात्रों को दैनिक जीवन में प्रदूषण से होनेवाली हानियाँ बताकर जागरूक करें।

* सुनो और गाओ :

३. अपना घर

देखे सारे गाँव-शहर,
घूमे सारे गली-नगर ।
नहीं मिला इतना सुंदर,
जितना सुंदर अपना घर ।
अपना घर बस अपना घर,
हर बच्चे का सपना घर ।
सभी बनाते अपना घर,
सभी सजाते अपना घर ।

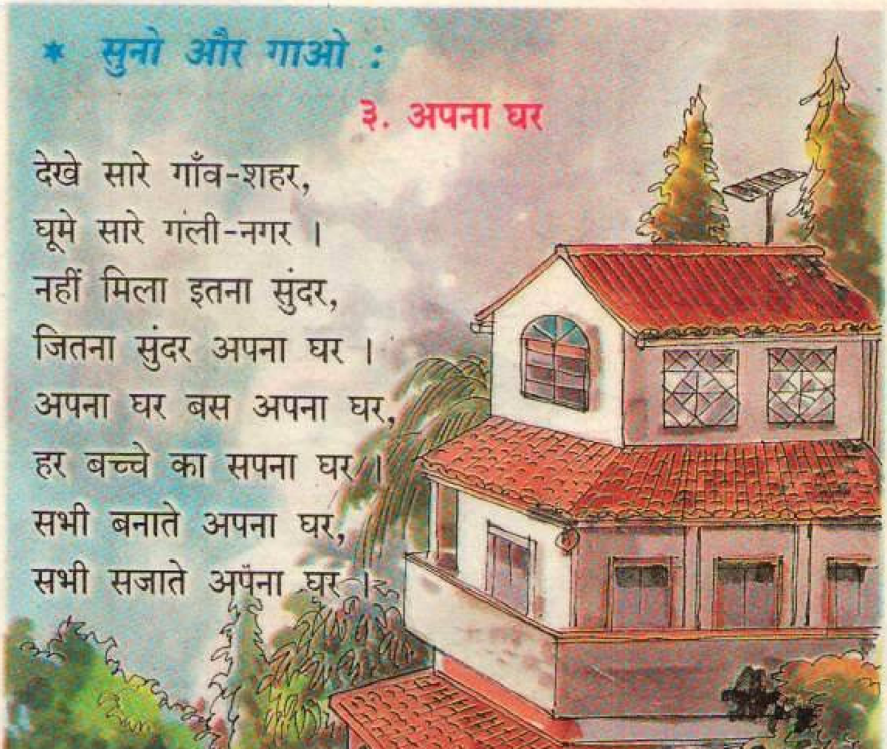

❑ हाव-भाव और लय के साथ सस्वर कविता सुनाएँ । छात्रों से सामूहिक वाचन करवाएँ। उन्हें घर, पाठशाला, माँ, मित्र आदि विषयों पर पाँच वाक्य बोलने के लिए कहें ।

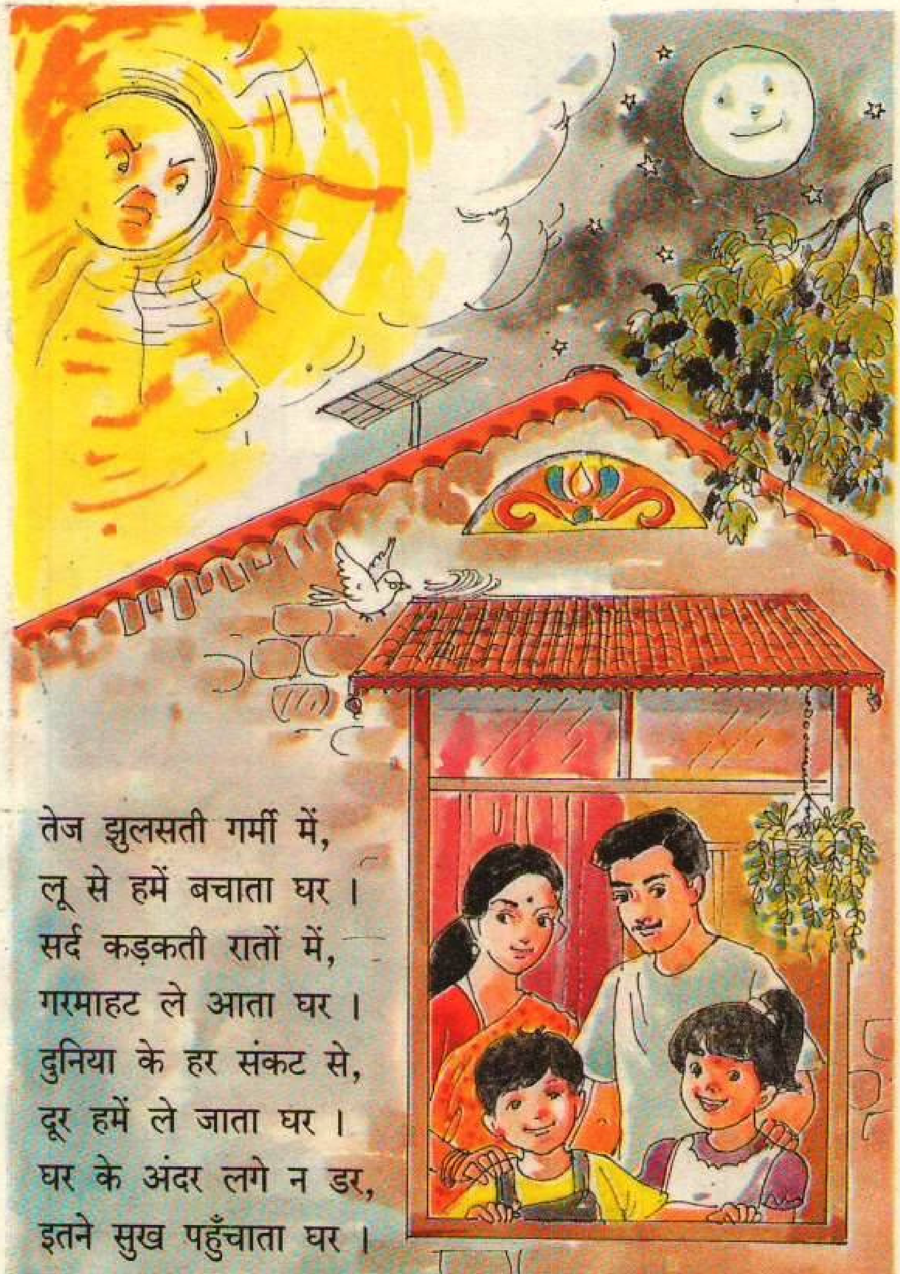

तेज झुलसती गर्मी में,
लू से हमें बचाता घर ।
सर्द कड़कती रातों में,
गरमाहट ले आता घर ।
दुनिया के हर संकट से,
दूर हमें ले जाता घर ।
घर के अंदर लगे न डर,
इतने सुख पहुँचाता घर ।

—लता पंत

अभ्यास

(१) विसर्गवाले (:) शब्दों को सुनो और दोहराओ :

पुन:, प्रात:, अत:, प्राय:, नम:, नि:शंक, प्रात:काल, मन:स्थिति, अध:पतन, अंत:प्रेरणा, उष:काल, दु:शासन ।

(२) उत्तर दो :

(क) सबसे सुंदर क्या होता है ?

(ख) हर बच्चे का कौन-सा सपना होता है ?

(ग) घर को कौन सजाता है ?

(घ) घर हमें किन-से बचाता है ?

(ङ) घर से हमें कौन-से सुख मिलते हैं ?

(३) समाचारपत्र से मौसम संबंधी समाचार पढ़ो ।

(४) 'माँ' विषय पर पाँच वाक्य लिखो ।

(५) सोचो और बताओ :

आज गुरुवार है तो – कल, परसों, नरसों ।

गुरुवार

बुधवार

शुक्रवार

मंगलवार

शनिवार

सोमवार

रविवार

• छात्र इंद्रधनुष की कविता सुनाएँ ।

* सुनो और समझो :

४. तीन मछलियाँ

एक सुंदरबन था। उसमें एक तालाब था। उस तालाब में तीन मछलियाँ रहती थीं। तीनों का स्वभाव अलग-अलग था।

एक दिन उन्होंने कुछ मछुआरों को वहाँ से जाते हुए देखा। वे आपस में बातें कर रहे थे, "इस तालाब में बहुत अच्छी मछलियाँ हैं। उन्हें पकड़ना चाहिए।"

यह सुनते ही पहली मछली जल की बहती धारा के साथ दूसरे तालाब में चली गई।

दूसरी मछली ने भी मछुआरों की बातें सुनी और सोचा, पहले इन्हें आने तो दो, तब विचार करूँगी।

❑ कहानी का आदर्श वाचन करें और छात्रों से दोहरवा लें। छात्रों को कठिन समय में सूझबूझ से काम करने के लिए कहें। उनसे मौन वाचन करवाकर प्रश्नों के उत्तर कहलवाएँ।

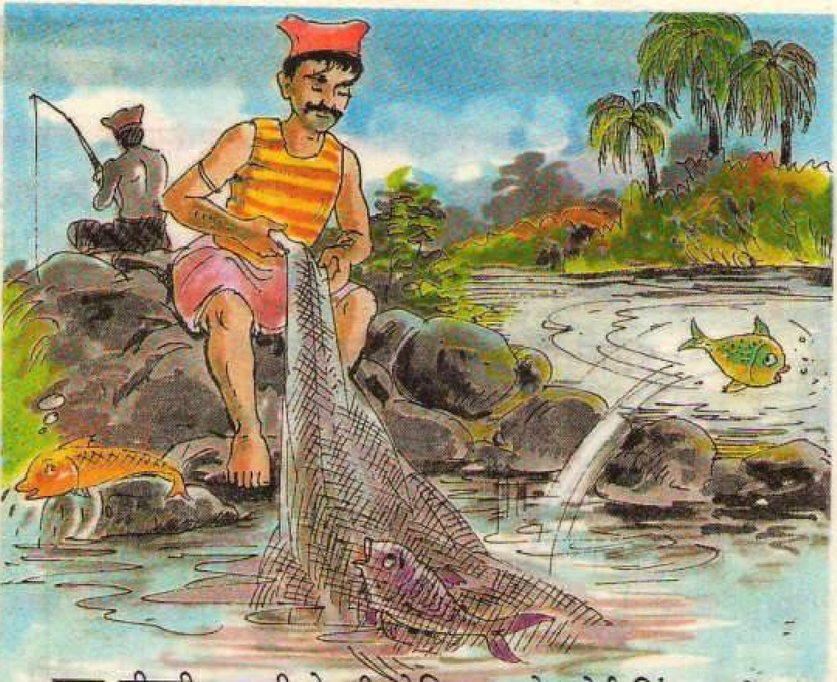

सुना तीसरी मछली ने भी लेकिन उसने कोई चिंता नहीं की। सोचा, जो होना है; वह होगा ही । उसे कौन रोक सकता है ?

मछुआरे दूसरे ही दिन जाल लेकर आ पहुँचे । पहली मछली तो दूसरे तालाब में पहुँच चुकी थी । दूसरी मछली जाल को देखते ही ऐसे लेट गई जैसे मर गई हो । मछुआरों ने उसे देखकर सचमुच ही मरा हुआ समझ लिया और उसे उठाकर एक तरफ फेंक दिया । बस ! उसे अवसर मिल गया। वह भी चुपके से बहते जल की धारा में कूद गई और दूसरे तालाब में पहुँच गई। तीसरी मछली ने न तो कुछ सोचा; न कुछ किया । इसलिए वह जाल में फँस गई । संकट से बचने के लिए स्वयं को हाथ-पाँव मारने ही पड़ते हैं।

अभ्यास

(१) संयुक्ताक्षरयुक्त (खड़ी पाईवाले) शब्दों को सुनो और दोहराओ।

(२) सूझबूझ से तुमने कोई काम किया होगा तो उसे बताओ।

(३) पाठ्येतर पुस्तक से कोई जासूसी कहानी पढ़ो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) सुंदरबन के तालाब में कौन रहती थीं ?

(ख) मछुआरों ने आपस में क्या कहा ?

(ग) पहली मछली ने क्या किया ?

(घ) मछुआरों को देखकर दूसरी मछली ने क्या सोचा ?

(ङ) तीसरी मछली को कौन-सा परिणाम भुगतना पड़ा ?

(५) चित्र देखो और दिए गए शब्दों द्वारा वाक्य बनाओ :

ऊपर	नीचे
अंदर	बाहर
आगे	पीछे
दाएँ	बाएँ

• छात्र किसी राजा की कहानी सुनाएँ ।

* सुनो और करो :

५. ना-धिन-धिन्ना

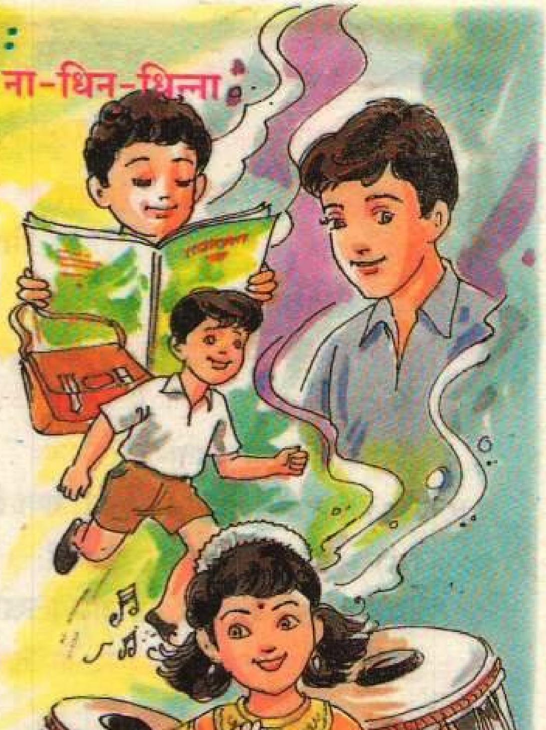

ना-धिन-धिन्ना,
पढ़ते हैं मुन्ना ।
ता-ता थैया,
आ जा भैया ।
ता थई, ता थई,
ना भई, ना भई,
धा-धा-धा-धा
अब क्या होगा ?
धिरकिट-धिरकिट,
गिरगिट ! गिरगिट !
धा-धीना-धीना-धीना,
वो देखो दीनू, बीना,
ना तिन्ना तिरकिट तान,
कहना तू मेरा मान ।
धिरकिट-धिरकिट धिन धा,
जाऊँगा मैं वहाँ,
तिरकिट-तिरकिट तिन ता,
चल जा तू झटपट आ ।
ना तिन तिन्ना धिन धिन्ना,
बस्ता पटककर दौड़े मुन्ना । – रमेशचंद्र शाह

❑ कविता सुनाएँ और दोहरवाएँ । छात्रों से लययुक्त शब्दों को शीघ्र गति से बोलने के लिए कहें । ऐसे शब्दों की सूची बनवा लें । आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन करें ।

अभ्यास

(१) संयुक्ताक्षरयुक्त (हलंतवाले) शब्दों को सुनो और दोहराओ।

(२) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर बताओ :

अपना नाम मित्र का नाम

घर के सदस्यों के नाम

(३) 'रात-दिन', 'अच्छा-बुरा' जैसे दस शब्द लिखो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) मुन्ना क्या पढ़ता है ?

(ख) दीनू क्या देखने के लिए गया है ?

(ग) मुन्ना क्या पटककर दौड़ा ?

(घ) कविता के कवि का नाम लिखो ।

(५) चित्रों को देखकर वाद्यों के नाम लिखो ।

- छात्र विभिन्न पचास टिकटों का संग्रह करें ।

★ पढ़ो, समझो और बोलो :

६ स्वावलंबन

भोला : (बाँसुरी पर धुन बजाते हुए) नन्हा-मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ, बोलो मेरे संग - जयहिंद-जयहिंद.......

तारा : तुम्हारा नाम क्या है?

भोला : मेरा नाम भोला है।

तारा : तुम्हारे माँ और पिता जी नहीं हैं?

भोला : मेरी माँ नहीं हैं। पिता जी कई दिनों से बीमार हैं।

तारा : तुम बाँसुरी बहुत अच्छी बजाते हो।

भोला : मैं बाँसुरी बजाकर सबका मन बहलाता हूँ। इससे जो पैसे मिलेंगे; उनसे मुझे पिता जी के लिए दवाई लेनी है।

तारा : क्या तुम पाठशाला नहीं जाते?

भोला : पिता जी अच्छे हो जाएँगे तो मैं शाला जाने लगूँगा।

तारा : (स्वयं से) पिता जी से कहकर मैं इसके पिता जी की दवाई और इसकी पढ़ाई की व्यवस्था करवाऊँगी।

❑ यथोचित हाव-भाव के साथ वार्तालाप पढ़वाएँ। छात्रों को दूसरों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस प्रकार का अपना अनुभव सुनाने के लिए कहें।

अभ्यास

(१) ईसप नीति की एक कहानी सुनो ।

(२) पढ़ो और समझो :

क्षण, पत्र, यज्ञ, श्रम, यात्रा, कक्षा, विज्ञान, विश्राम ।

(३) विज्ञापनों का संग्रह करो:

(४) उत्तर लिखो :

(क) बाँसुरी बजानेवाले का नाम क्या है?

(ख) भोला बाँसुरी बजाकर सबका मन क्यों बहलाता है?

(ग) भोला पाठशाला कब जाएगा ?

(घ) तारा भोला की किस प्रकार सहायता करना चाहती है ?

(५) बताओ कि तुम्हें संगणक क्यों पसंद है ?

- छात्र पाठशाला में हुए कार्यक्रम का वर्णन करें।

*** पढ़ो और लिखो :**

७. राष्ट्रीय त्योहार

हमारे यहाँ अनेक त्योहार मनाए जाते हैं पर पूरे देश को एक सूत्र में बांधनेवाले दो राष्ट्रीय त्योहार हैं। एक है- स्वतंत्रता दिवस और दूसरा है - गणतंत्र दिवस।

प्रतिवर्ष हम पंद्रह अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं। भारत की राजधानी दिल्ली में लाल किले पर देश के प्रधानमंत्री राष्ट्र्ध्वज फहराते हैं।

छब्बीस जनवरी को सारे देश में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष इस दिन भारत के राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं। गणतंत्र दिवस पर देश के विभिन्न राज्यों की मनोहर सांस्कृतिक झाँकियाँ प्रस्तुत की जाती हैं।

❑ रोचक ढंग से पूरा पाठ पढ़कर सुनाएँ। छात्रों से मुखर वाचन करवा लें। प्रश्नोत्तर द्वारा पाठ समझाएँ और उन्हें मौन वाचन करके प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें। छात्रों से झंडे में रंग भरवा लें और उनपर चर्चा करते हुए रंगों का संदेश बताएँ।

पंद्रह अगस्त तथा छब्बीस जनवरी इन दोनों अवसरों पर हमारी सेना के तीनों दल झंडे को सलामी देते हैं। देशभर में ये त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाए जाते हैं। ये त्योहार हर विद्‌यालय में उल्लास से मनाए जाते हैं। इन अवसरों पर तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय त्योहार हमारे भारत की शान और मान हैं।

अभ्यास

(१) संयुक्ताक्षरयुक्त ('क' और 'फ' वाले) शब्दों को सुनो और दोहराओ।

(२) बताओ कि तुम त्योहार पर क्या-क्या करते हो ?

(३) शब्दकोश देखकर किसी भी वर्ण की बारहखड़ी की किसी भी मात्रा के पाँच शब्द पढ़ो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) हमारे राष्ट्रीय त्योहार कौन-से हैं ?

(ख) पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी को किन रूपों में मनाया जाता है ?

(ग) पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी के दिन किनके हाथों राष्ट्रध्वज फहराया जाता है ?

(घ) ये कार्यक्रम हमारे देश की किन बातों को दर्शाते हैं ?

(५) पाठशाला में मनाए गए राष्ट्रीय त्योहार का वर्णन लिखो।

- छात्र महान महिलाओं के चित्रों का संग्रह नामसहित करें ।

* सोचो और लिखो :

८. क्या यह जानते हो

(१) गणतंत्र दिवस कब मनाया जाता है ?

(अ) १५ अगस्त (आ) २६ जनवरी

(२) हमारे राज्य का नाम क्या है ?

(अ) भारत (आ) महाराष्ट्र

(३) राष्ट्रध्वज के अशोक चक्र में कितने रंग होते हैं ?

(अ) एक (आ) तीन

(४) वर्ष में कितने दिन होते हैं ?

(अ) ३६६ (आ) ३६५

(५) कौन-सी बीमारी न होने के लिए टीके की खुराक पिलाई जाती है ?

(अ) पोलिओ (आ) क्षयरोग

❑ प्रश्नों के सही उत्तरों पर छात्रों से चिहन (✓) लगाने के लिए कहें । बचे हुए विकल्पों की जानकारी देकर छात्रों से लिखने के लिए कहें । उदा. (४) का उत्तर ३६५ और विकल्प का उत्तर ३६६ दिन लीप वर्ष है। आवश्यकतानुसार विषय-अध्यापक की सहायता लें ।

अभ्यास

❖ पढ़ो और लिखो :

एक	ग्यारह	इक्कीस	इकतीस	इकतालीस
दो	बारह	बाईस	बत्तीस	बयालीस
तीन	तेरह	तेईस	तैंतीस	तैंतालीस
चार	चौदह	चौबीस	चौंतीस	चवालीस
पाँच	पंद्रह	पच्चीस	पैंतीस	पैंतालीस
छह	सोलह	छब्बीस	छत्तीस	छियालीस
सात	सत्रह	सत्ताईस	सैंतीस	सैंतालीस
आठ	अठारह	अट्ठाईस	अड़तीस	अड़तालीस
नौ	उन्नीस	उनतीस	उनतालीस	उनचास
दस	बीस	तीस	चालीस	पचास

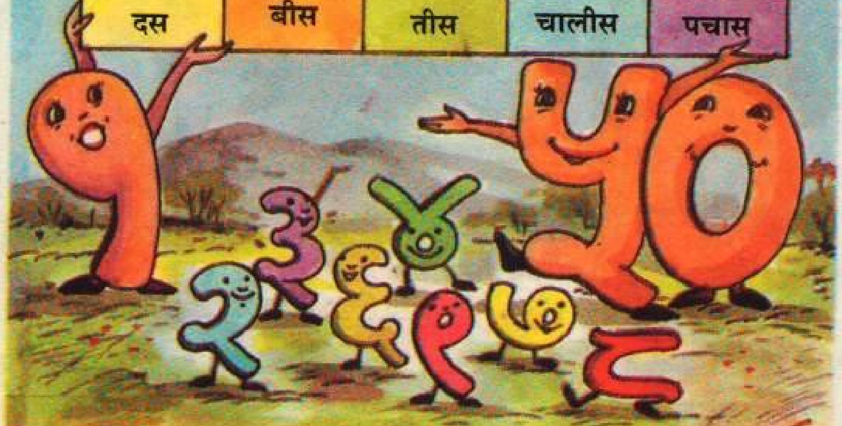

❑ छात्रों से शब्दों में दी गई गिनती पढ़वा लें। उन्हें शब्दसहित अंकों को कापी में लिखकर एक-दूसरे की कापी जाँचने के लिए कहें। इस प्रकार बार-बार अभ्यास द्वारा दोहरवा लें।

*** सुनो और गाओ :**

९ . बगिया

नाच उठे हैं सारे फल,
बगिया का महक उठा आँचल ।
आम सुना रहा है गीत,
अंगूर का है मधुर संगीत ।
अनार करता है कत्थक,
झूम रही है लीची तक ।

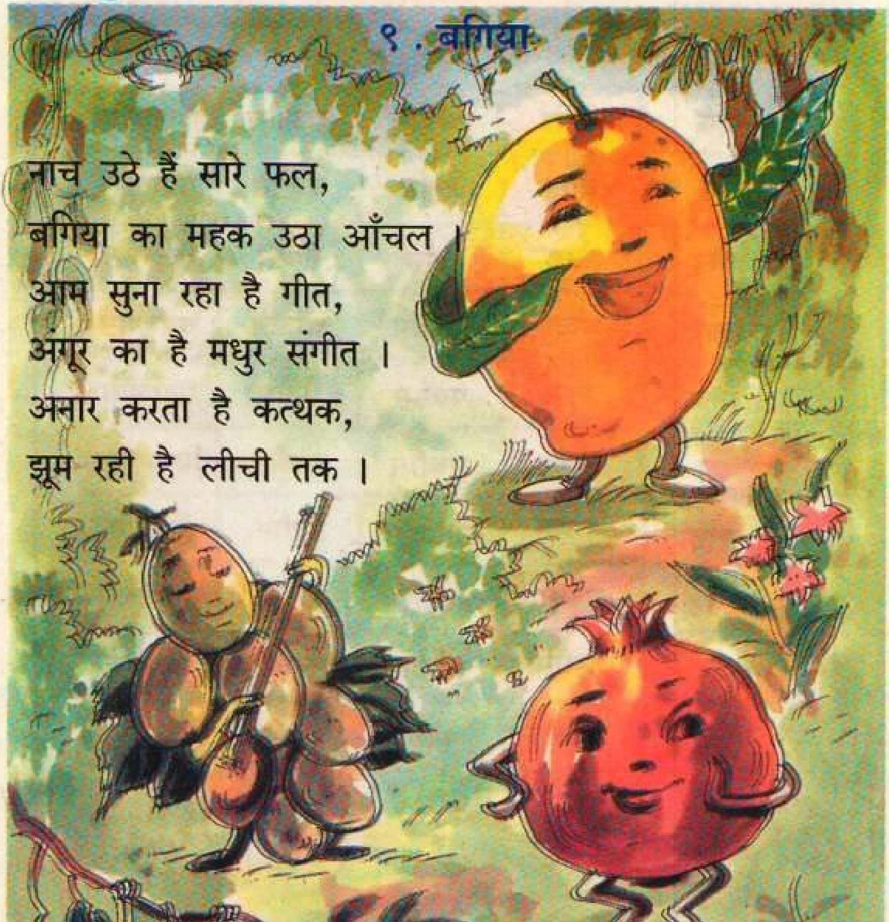

☐ पूरी कविता उचित लय के साथ सुनाएँ । छात्रों से कविता का व्यक्तिगत वाचन करवा लें । चित्रों द्वारा फलों के नाम कहलवाएँ । उन्हें कविता का सरल अर्थ समझाएँ ।

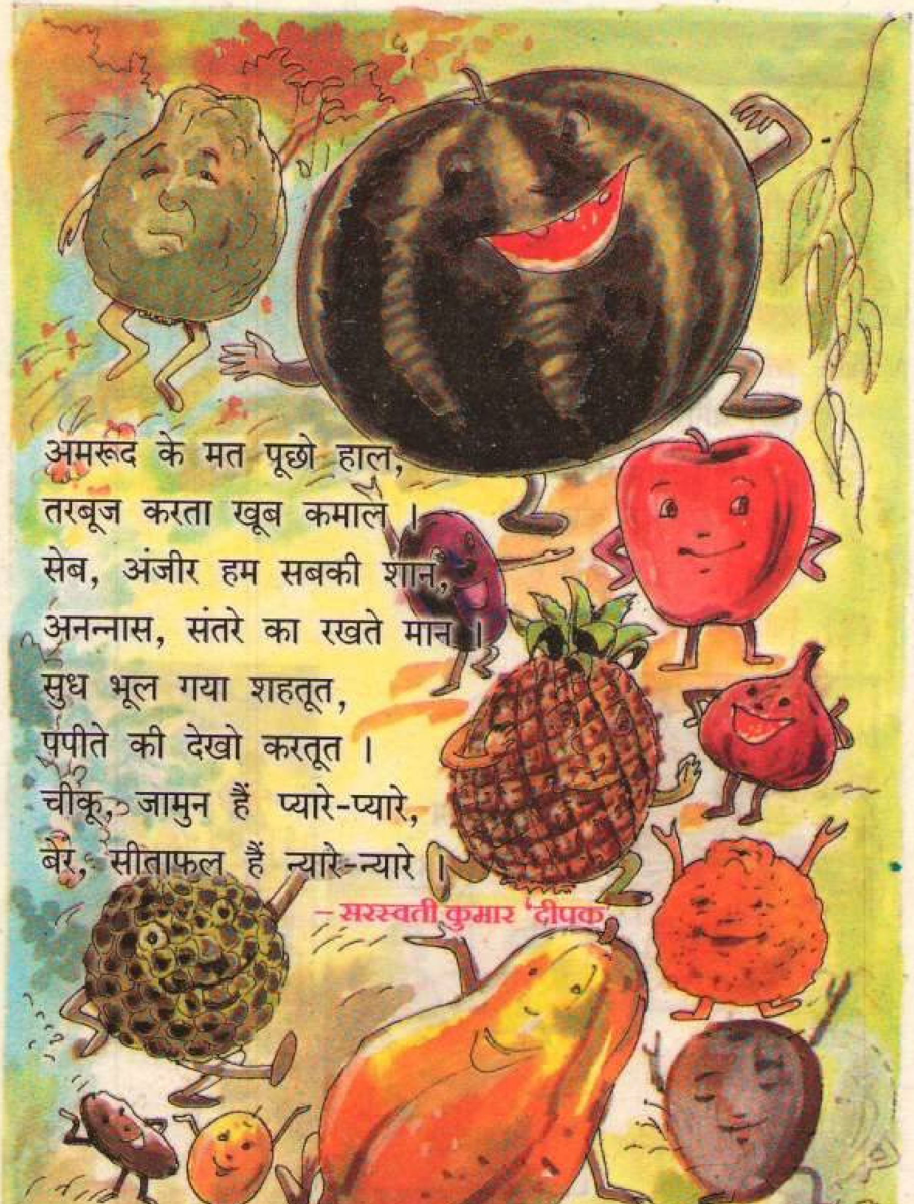

अमरूद के मत पूछो हाल,
तरबूज करता खूब कमाल ।
सेब, अंजीर हम सबकी शान,
अनन्नास, संतरे का रखते मान ।
सुध भूल गया शहतूत,
पपीते की देखो करतूत ।
चीकू, जामुन हैं प्यारे-प्यारे,
बेर, सीताफल हैं न्यारे-न्यारे ।

– सरस्वती कुमार 'दीपक'

अभ्यास

(१) सीडी पर कोई हास्य नाटक देखो और सुनो ।

(२) परी की कविता सुनाओ ।

(३) पाठशाला के सूचनापट्ट पर प्रतिदिन लिखी जानेवाली सूचनाओं को पढ़ो ।

(४) उत्तर लिखो :

(क) बगिया का आँचल महक क्यों उठा है ?

(ख) गीत कौन सुनाता है और किसका संगीत मधुर है ?

(ग) प्यारे-प्यारे कौन हैं ?

(घ) न्यारे-न्यारे कौन हैं ?

(५) चित्र संबंधी प्रश्न पूछो :

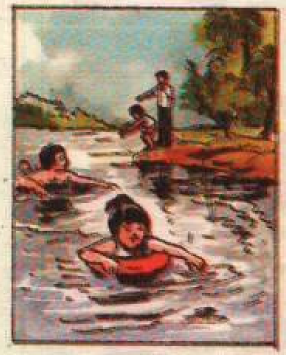

तैराकी

कैरम

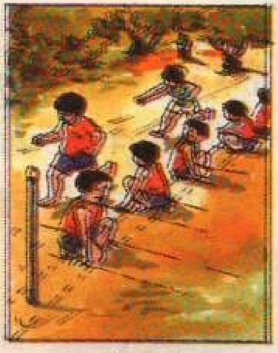

खो-खो

- छात्र वर्ष में एक बार सुविचारों की तालिका बनाएँ ।

* पढ़ो और लिखो :

१०. भलाई

छुटकी बिल्ली के लिए आज सुबह से ही सब-कुछ गलत हो रहा था। सुबह बड़का चूहा सामने से गुजरा। बिल्ली ने खुश होकर झपट्टा मारा, पर चूक गई।

वह थोड़ा आगे बढ़ी। तभी उसे सामनेवाले मकान की रसोई घर की खिड़की खुली दिखी। गैस पर दूध का पतीला रखा था। छुटकी अगली ही छलांग में सीधे पतीले पर झुक गई। लेकिन तभी मोनू की माँ आ गई। छुटकी ने भागने के लिए खिड़की का रास्ता पकड़ा। जाते-जाते उसने सुना- ''हमेशा दूसरों का भला करो, तुम्हारा भला अपने-आप होगा।'' छुटकी के मुँह से झुँझलाहट भरी म्याऊँ निकली।

एक दूकान में प्लास्टिक के टब में दूध की ढेर सारी थैलियाँ रखी थीं। पास ही कुछ दूध नाली में बह रहा था। 'चलो वही पिया जाए।' सोचकर छुटकी ने दौड़ लगाई परंतु दूकानदार ने एक भारी चीज उसकी ओर फेंकी।

बेचारी छुटकी के पैर में चोट आ गई। वह लंगड़ाती हुई सामने के बगीचे में पहुँची। वहाँ सुबह की सैर पर निकले दो

❑ कहानी को कथाकथन पद्धति से सुनाएँ और क्रमश: पढ़वा लें। छात्रों को दूसरों का भला करने के लिए प्रोत्साहित करें। छात्रों से कहानी की सीख लिखवाएँ।

व्यक्ति बातें कर रहे थे। छुटकी को एक बार फिर वही सुनाई दिया, "सबका भला करो, तुम्हारा भी भला होगा ।"

छुटकी ने सोचा कि आज वह भलाई को भी परख लेगी।

छुटकी वापस घर लौटने लगी । रास्ते में उसे बड़का चूहा मिला। भीगा हुआ। ठंड से काँपता हुआ । उसे दया आ गई।

"आज मैं उसे नहीं खाऊँगी ।" छुटकी मन-ही-मन बोली। एक जगह दूध भी खुला रखा था । "आज चोरी भी नहीं करनी है ।" कहकर आगे बढ़ गई ।

बारिश तेज हो रही थी । उसे एक बंगले के अहाते में घुसना पड़ा । वहाँ उसे सोना-मोना नाम की दो बच्चियों ने देखा ।

"अरे देखो, कितनी सुंदर म्याऊँ आई है ।" वे दोनों चहकीं। उसने दोनों बच्चियों को अपनी पीठ सहलाने दी। थोड़ी देर में उनके दादा जी भी वहाँ आ गए । बच्चियों को बिल्ली को प्यार करते देख वे बड़े खुश हुए ।

"अरी सोना-मोना, अपनी इस मेहमान को दूध तो पिलाओ।" उन्होंने कहा ।

छुटकी बहुत खुश हुई । उसे भलाई का बदला जल्दी ही मिल गया था और हमेशा रहने के लिए एक घर भी ।

– मंजू पांडेय

अभ्यास

(१) संयुक्ताक्षरयुक्त ('र' के प्रकारवाले) शब्दों को(्र ॅ) सुनो और दोहराओ।

(२) दूरदर्शन पर देखे हुए किसी कारटून पर चर्चा करो :

(३) रिक्त स्थान भरो और पढ़ो :

(क) बिल्ली ने खुश होकर .... मारा ।

(ख) पास ही कुछ .... नाली में बह रहा था ।

(ग) बेचारी छुटकी के पैर में .... आ गई ।

(घ) उसे .... का बदला जल्दी ही मिल गया था ।

(४) उत्तर लिखो :

(च) छुटकी ने किस पर झपट्टा मारा ?

(छ) मोनू के घर से छुटकी भाग क्यों गई ?

(ज) बगीचे में छुटकी ने क्या सुना ?

(झ) छुटकी ने कौन-सा निश्चय किया ?

(ञ) भलाई का बदला छुटकी को कैसे मिला ?

(५) तुम्हें कहानी से क्या सीख मिली, बताओ ?

- छात्र कोई एक विज्ञापन पढ़कर लिखें ।

* पढ़ो, समझो और करो :

११. रूमाल

सामग्री : चौकोर सादा कपड़ा, छोटा रिबन, सुई और धागा।

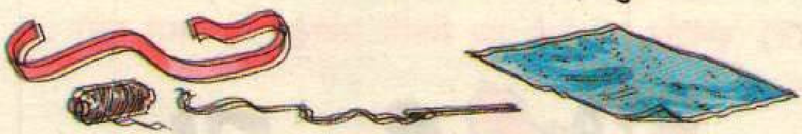

कृति : कपड़े को धोकर सुखा लो। सुई में धागा पिरो लो। इसके बाद चौकोर कपड़े के प्रत्येक किनारे को अंदर की ओर मोड़ो। अब मोड़े हुए भाग को तुरपाई करते हुए सी दो।

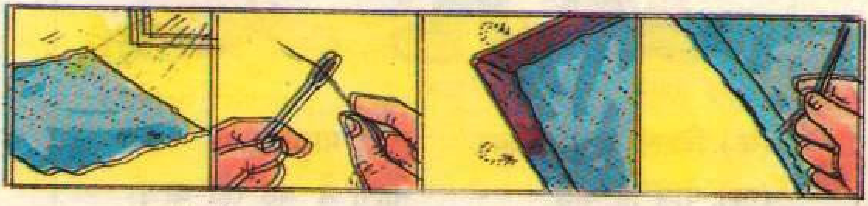

अब देखो रूमाल तैयार हो गया है। रूमाल के मध्य में रिबन का फूल बनाकर उसे टाँक दो।

देखो! कितना सुंदर रूमाल बन गया!

- छात्र रेलगाड़ी में गंदगी न फैलाएँ।

❑ छात्रों से पूरी कृति पढ़वाकर उसपर चर्चा करें। रूमाल को सीते समय सावधानी बरतने के लिए कहें। बड़ों की निगरानी में छात्रों को रूमाल बनाने की विशेष सूचना दें।

* सुनो और गाओ :

बच्चे हिंदुस्तानी

हम हैं बच्चे हिंदुस्तानी।
भारत के हम प्यारे बच्चे,
मिलकर देश बनाएँगे।

ज्ञान का पौधा लगाकर,
मानव को सुखी बनाएँगे।
विज्ञान का प्रसार करके,
हम आगे बढ़ते जाएँगे।

एक पौधा रोज लगाकर,
प्रदूषण से मुक्ति पाएँगे।
बीमारी दूर भगाकर,
देश को स्वस्थ बनाएँगे।

आगे बढ़ते कदम हमारे,
पीछे कभी न हट पाएँगे।
देश के अच्छे नागरिक,
बनकर हम दिखलाएँगे।

- ❑ कविता व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से हाव-भाव के साथ गवाएँ। सरल आशय समझाकर प्रश्नोत्तर पद्धति से पूरी कविता समझाएँ। देशप्रेम, श्रम-महिमा, प्रदूषण-मुक्ति, सच्चे नागरिक के गुण आदि की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करें। इनपर चर्चा करवाएँ।

शब्दार्थ

पहली इकाई

२. **साहस :** रोचक = मनोरंजक

३. **तितली :** धूम मचाना =शोर मचाना; हरषाती =आनंद देती; मौज =आनंद।

४. **परी :** झाँकना = छिपकर देखना; भटक जाना = रास्ता भूलना; आश्चर्य = विस्मय, अचरज; झलकना = दिखाई देना; झाग = फेन।

५. **हैया रे हैया :** पार = दूसरी ओर का तट।

६. **कक्षा :** निरीक्षण = ध्यान से देखना; संग्रह = एकत्र किया हुआ ।

७. **बधाई :** जुग-जुग = अधिक समय तक; व्यस्त = कार्य में डूबा हुआ; विकल्प = पर्याय।

८. **मैं हूँ कौन :** ताप = गरमी; चैन = आराम ।

९. **बोली :** कीरा = कीड़ा; झिल्ली = झींगुर; पिपहरी = पुंगी ।

१०. **बातचीत :** डरावना =भयानक, भयभीत करनेवाला; राहत =चैन; महसूस = अनुभव; कुचलना =रौंदना; सरसराना = साँप का चलना ।

११. **बंदनवार :** बंदनवार =तोरण; लेई =आटे या अरारोट का चिपकाने के लिए पकाया हुआ घोल; निशान =चिह्न; लड़ियाँ =मालाएँ।

दूसरी इकाई

१. **बनें हम :** गौरैया = एक छोटी चिड़िया; गुझिया = एक पकवान ।

२. **समझदारी :** समझ =बुद्धि, जानने और समझने की शक्ति; अंतर =भेद।

३. **पुस्तक :** चकरी = एक प्रकार का खिलौना; बल खाना = लचकना ।

४. **घोंसला :** निरंतर = लगातार; प्रतीक्षा करना = राह देखना।

६. **मित्रता :** मुहावरे : हाथ मिलाना = मित्रता करना; पीठ थपथपाना = शाबाशी देना; आग बबूला होना = बहुत क्रोधित होना; कहावत : नाच न जाने आँगन टेढ़ा =अपना दोष छुपाने के लिए किसी और को दोष देना।

७. **घास :** दूब = नन्ही घास; हिस्सा = भाग।

९. **लोरी :** ताल = लय; बरखा = वर्षा; रिमझिम = वर्षा की छोटी-छोटी बूँदें गिरना; असर = प्रभाव; अनदेखा = जो देखा नहीं गया।

१०. **सफलता :** रंग-ढंग = स्वभाव; हैरान = परेशान; बौखलाना = क्रोध में आना; गँवाना = खोना; लगन = धुन; आभास = झलक।

११. **शरबत :** सैंधव = नमक का एक प्रकार।

तीसरी इकाई

१. **समझो हमें :** झंझावात = तेज आँधी, तूफान; गुंफन = गूँथना।

४. **सीख :** मुहावरा : पोल खुलना = भेद खुलना।

५. **चल्लम-चल्लम :** हौदा = अंबरी; मूँड़ = सिर ।

६. **पाउडर का बच्चा :** आभूषण = गहने, जेवर; संदेह = शंका।

७. **मैं पाठशाला :** लीपना = गीली चीज से पोतना; झूमना = आनंद से नाचना; ऊँचा उठना = विकास करना, प्रगति करना ।

१०. **खेल-खेल में :** खुशहाली = संपन्नता; ताकतवर = शक्तिशाली ; उफान = उबाल; अनजान = अपरिचित; खिलाफ = विरुद्‌ध; मुहावरे : रंगे हाथ पकड़ना = सप्रमाण पकड़ना; कान भरना = किसी के मन में गलत बात बिठाना, चुगली करना; शर्मिंदा होना = लज्जित होना; बहकावे में आना = किसी के कहने में आना ।

११. **फल :** सटकर = पास-पास, लगकर।

चौथी इकाई

३. **अपना घर :** झुलसना = आधा जलना ।

४. **तीन मछलियाँ :** मुहावरा : हाथ-पाँव मारना = प्रयत्न करना ।

५. **ना-धिन-धिन्ना :** तान = आलाप।

७. **राष्ट्रीय त्योहार :** मनोहर = मन हरनेवाला; झाँकी = दृश्य; आयोजन = प्रबंध, तैयारी ।

९. **बगिया :** महक = सुगंध; सुध भूलना = होश खोना; करतूत = काम।

१०. **भलाई :** झपट्टा मारना = छीनना; सेहत = स्वास्थ्य; झुंझलाहट = चिड़चिड़ापन; परखना = जाँच करना।

११. **रूमाल :** टाँकना = सीना।

दो शब्द

यह पाठ्यपुस्तक नए पाठ्यक्रम पर आधारित भाषा के नवीन और व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है। पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु एवं स्वाध्याय क्षमताओं पर आधारित हैं । **सभी क्षमताओं पर समान बल दिया गया है** । इसमें स्वयं अध्ययन की ओर प्रेरित करनेवाली मनोरंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है ।

पाठ्यपुस्तक में क्रमिक और श्रेणीबद्ध क्षमताधिष्ठित पाठ्य सामग्री, अध्यापन संकेत, अभ्यास, उपक्रम भी दिए गए हैं । छात्रों के लिए कविता, कहानी, संवाद, निबंध, आत्मकथा, पत्रलेखन आदि विधाओं का समावेश करते हुए अनेक रंजक और रुचिपूर्ण खेल भी दिए गए हैं । ये छात्रों को व्यक्तिगत, समूह, परिसर तथा समाज के दैनंदिन व्यवहार से जोड़कर सक्रिय बनाते हैं । विभिन्न खेलों द्वारा वर्णमाला, मात्रा, संयुक्ताक्षर आदि की पुनरावृत्ति की गई है।

अध्यापन कार्य नूतन प्रयोगों द्वारा करना आवश्यक है । पाठ्य सामग्री का **मूल्यांकन निरंतर होनेवाली प्रक्रिया है** । अतः छात्र प्रतियोगिता के तनाव से मुक्त रहेंगे । इसमें **चारों क्षमताओं श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन और लेखन का समान मूल्यांकन अपेक्षित है** ।

अध्यापन कार्य हेतु विशेष सूचनाएँ -

(१) अध्यापन संकेत पढ़कर ही 'अध्यापन' कार्य करें । (२) सभी उपक्रम छात्रों को स्वयं पढ़कर करने के लिए कहें । उनका मार्गदर्शन करें। (३) **पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए शब्दार्थ, मुहावरों, कहावतों का उपयोग अवश्य करें।** (४) अध्यापन के पश्चात क्षमतानुसार वर्णमाला, मात्रा, संयुक्ताक्षर वाचन, लेखन के अभ्यास के लिए श्रवण, संभाषण के पाठ्यांश का उपयोग करें ।

आशा है कि आप पुस्तक का अध्यापन कार्य कुशलतापूर्वक करेंगे । फलस्वरूप हिंदी विषय के प्रति छात्रों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना निर्माण होगी एवं उनका सर्वांगीण विकास होगा ।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

रु. १५.००